

रांची-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस का नगर उटारी स्टेशन पर ठहराव 23 मार्च से



नवीन मेल संवाददाता
मेदिनीनगर। पलामू सांसद विष्णु दयाल राम के प्रयासों से रेलवे बोर्ड ने रांची-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 12453/12454) का ठहराव नगर उटारी (श्री बंशीधर नगर) रेलवे स्टेशन पर स्वीकृत कर दिया है। गढ़वा जिले की जनता लंबे समय से इस ठहराव की मांग कर रही थी। इसका औपचारिक शुभारंभ 23 मार्च 2025 को रात 9:47 बजे सांसद विष्णु दयाल राम द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया जाएगा। इससे पूर्व रात 9:00 बजे

स्टेशन पर एक कार्यक्रम आयोजित होगा। इस ठहराव से यात्रियों को सुविधा मिलेगी और आवागमन सुगम होगा। सांसद ने गढ़वा जिला, विशेष रूप से श्री बंशीधर नगर अनुमंडल के नागरिकों, कार्यकर्ताओं और प्रबुद्धजनों से कार्यक्रम में अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने ट्रेन ठहराव की स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया। सांसद के निजी सचिव अलख दुबे ने यह जानकारी दी।

डायट में बस्ता रहित कार्यशाला का शुभारंभ नई शिक्षा नीति के तहत आनंदपूर्ण लर्निंग पर जोर

नवीन मेल संवाददाता
मेदिनीनगर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) द्वारा बस्ता रहित कार्यशाला का आयोजन सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, केजी गर्ल्स स्कूल में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला शिक्षा अधीक्षक संदीप कुमार, डायट प्राचार्य सुश्री अमृता सिंह, प्रभारी प्राचार्य डॉ. धीरेंद्र सिंह और मास्टर ट्रेनरों ने दीप प्रज्वलन कर किया। दो दिवसीय इस कार्यशाला में जिले के 240 विद्यालयों के 400 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। अपने संबोधन में जिला शिक्षा अधीक्षक ने बच्चों के अधिगम में कौशल विकास के महत्व पर जोर



दिया, जबकि डायट प्राचार्य ने बस्तरहित शिक्षा प्रणाली की उपयोगिता को रेखांकित किया। प्रभारी प्राचार्य डॉ. धीरेंद्र सिंह ने नई शिक्षा नीति 2020 के तहत जॉयफुल लर्निंग को प्रभावी बनाने और स्किल डिवेलपमेंट के महत्व पर चर्चा की।

कोल माइंस आवश्यक दस्तावेज जल्द सौंपे : डीसी

स्थानीय प्रशासन और कंपनियों के समन्वय से होगा जिले का आर्थिक विकास

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। उपायुक्त शशि रंजन ने कोल कंपनियों को आवंटित ब्लॉकों में उत्खनन कार्य तेज करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन और कोल कंपनियों के प्रतिनिधि समन्वय से कार्य करें, ताकि रोजगार के अवसर बढ़ें और जिले का आर्थिक विकास हो।



विवाद के कारण उत्खनन कार्य स्थगित होने की जानकारी दी, जिस पर उपायुक्त ने कोर्ट के फैसले के बाद त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उपायुक्त ने फेयर माइन कार्बन प्राइवेट लिमिटेड और अरण्य माइंस को जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज करने, तथा त्रिमुला

कोल माइंस के लिए आवश्यक दस्तावेज जल्द सौंपने का निर्देश दिया। साथ ही, कोल कंपनियों के सीएसआर फंड से शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य संरचनाओं के विकास कार्यों की समीक्षा की और आवश्यक कदम उठाने को कहा। उन्होंने राष्ट्रीय उच्च पथ

चौड़ीकरण परियोजना की प्रगति की भी समीक्षा की और कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में अपर समाहर्ता कुंदन कुमार, जिला खनन पदाधिकारी सुनील कुमार, विभिन्न अंचल अधिकारी और कोल कंपनियों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

शहर में सघन जांच अभियान कई वाहन जब्त, भारी जुर्माना

नवीन मेल संवाददाता
मेदिनीनगर। शहर के सादिक चौक टेंपो स्टैंड के पास बुधवार को सघन जांच अभियान चलाया गया, जिसमें दोपहिया और चारपहिया वाहनों की जांच की गई। इस दौरान कई दोपहिया वाहन चालक बिना हेलमेट, बिना लाइसेंस और ट्रिपल लोडिंग करते पाए गए। जांच में 13 दोपहिया वाहन जब्त कर शहर थाना परिसर में रखा गया, जबकि नौ-एंट्री में पकड़े गए एक ट्रक को टीओपी-2 परिसर में खड़ा कर जिला परिवहन कार्यालय भेजा गया। जिला परिवहन कार्यालय पलामू से 19 दोपहिया वाहनों का चालान किया गया, जिससे 39,368 रुपये का

जुर्माना वसूला गया। वहीं, एक टेंपो चालक को शराब पीकर वाहन चलाने के आरोप में पकड़ा गया, जिससे 10,185 रुपये का जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा, 7 टेंपो और 1 कार का ऑनलाइन चालान किया गया, जिससे 9,200 रुपये का जुर्माना वसूला गया। कुल मिलाकर, इस अभियान में 58,753 रुपये का चालान किया गया। प्रशासन ने वाहन चालकों से सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की है।

पलामू कांग्रेस की समीक्षा बैठक संगठन को मजबूत करने पर जोर

नवीन मेल संवाददाता
मेदिनीनगर। पलामू जिला कांग्रेस कमेटी की संगठन सशक्तिकरण अभियान के तहत गुरुवार को समीक्षा बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष जैश रंजन (बिट्टू) पाठक ने की। बैठक में जिला उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिव एवं प्रखंड अध्यक्षों ने भाग लिया। कोषाध्यक्ष अजय साहू ने संचालन किया। बैठक में सभी प्रखंड अध्यक्षों ने अपने क्षेत्र की विस्तृत जानकारी साझा की। निर्णय लिया गया कि प्रत्येक मंगलवार को प्रखंड कार्यालय और अंचल कार्यालय के समक्ष कैप लगाए जाएंगे ताकि झरखंड सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जल्दतरमदों तक पहुंचे। साथ ही, प्रत्येक माह जिला कांग्रेस कार्यालय में कार्यों की समीक्षा बैठक करने का निर्णय लिया गया। जो पदाधिकारी लगातार तीन बैठक से अनुपस्थित रहेंगे, उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा।

पलामू में अवैध अफीम की खेती पर बड़ी कार्रवाई मनातू के जंगलों में चार एकड़ में लगी फसल नष्ट

नवीन मेल संवाददाता
मेदिनीनगर। पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम झांटी के जंगलों में अवैध रूप से की जा रही अफीम की खेती के खिलाफ गुरुवार को संयुक्त अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई में वन विभाग और स्थानीय पुलिस बल की टीमों ने हिस्सा लिया। अभियान के दौरान करीब चार एकड़ भूमि में फैली अफीम की फसल को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया। प्रशासन का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य अवैध मादक पदार्थों की खेती को रोकना और



क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को मजबूत करना है। पुलिस ने ग्रामीणों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अवैध खेती या संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत प्रशासन को दें, ताकि इस तरह के गैरकानूनी कारोबार पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके।

राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों का चयन



नवीन मेल संवाददाता
मेदिनीनगर। 12वीं राज्य स्तरीय सब-जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता के लिए ट्रायल का आयोजन किया गया, जहां बालक और बालिका वर्ग से कुल 27 खिलाड़ियों का चयन किया गया। पलामू जिला खेल पदाधिकारी सेवा राम साहू ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और नारियल फोडकर ट्रायल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। यह प्रतियोगिता 22 और 23 मार्च को धनबाद के मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित होगी। बालक वर्ग की 12 सदस्यीय टीम में गौरव तिवारी, अंकित कुमार, सोनल कुमार जायसवाल, मोहित सोनी, उत्सव दुबे, अनिल कुमार, अमन कुमार, सुजीत कुमार, राजकुमार, ऋषि कुमार, सत्यम भारती और प्रत्युष गुप्ता को चुना गया। वहीं, बालिका वर्ग

की 15 सदस्यीय टीम में एकता कुमारी, जूलो कुमारी, विद्या कुमारी, अंशिका कुमारी, अनामिका कुमारी, करिश्मा कुमारी, संजना कुमारी, पम्मी कुमारी, खुशी कुमारी, सरस्वती कुमारी, ममता कुमारी और नीता कुमारी को स्थान मिला। इसके अलावा, संजना कुमारी, निशा कुमारी और ज्योति कुमारी को स्टैंडबाई खिलाड़ी के रूप में रखा गया। ट्रायल प्रतियोगिता पलामू जिला कबड्डी संघ के सचिव उषेंद्र कुमार की देखरेख में संपन्न हुई। इस दौरान संरक्षक कमलानंद दुबे, ओलंपिक संघ के सचिव संजय कुमार त्रिपाठी, खेल समन्वयक निधि उपाध्याय, कबड्डी संघ अध्यक्ष मनोज मेहता समेत कई खेल अधिकारी और प्रशिक्षक मौजूद रहे।

पलामू में भेड़ पालन सिमटता जा रहा गड़ेरिए अन्य व्यवसाय की ओर बढ़ रहे

नवीन मेल संवाददाता
मेदिनीनगर। पलामू जिले में सदियों से आजीविका का मुख्य साधन रहा भेड़ पालन अब सिमटता जा रहा है। भेड़ और उनसे मिलने वाली ऊन का उत्पादन घटने से कुटीर उद्योग भी प्रभावित हो रहे हैं। पहले भेड़ से मिलने वाली ऊन का उपयोग कंबल और अन्य उत्पादों के लिए किया जाता था, लेकिन आधुनिक मशीनों और सिंथेटिक कंबलों के बढ़ते उपयोग के कारण इसकी मांग कम हो गई है। भेड़ पालकों को उचित दाम नहीं मिलने से वे धीरे-धीरे इस व्यवसाय से दूर हो रहे हैं। जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. प्रभाकर कुमार के अनुसार, प्रशिक्षण और सरकारी योजनाओं के अभाव में भेड़ पालक



दूसरे व्यवसायों की ओर रुख कर रहे हैं। हालांकि, कुछ समय पहले विधानसभा सत्र में कृषि पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिकी ने गाय और बकरी की तरह भेड़ों के लिए भी सस्मिडी देने और प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की थी। अब देखना होगा कि नए वित्तीय वर्ष में इस योजना को कितना प्रभावी बनाया जाता है।

भेड़ पालक किशन पाल का कहना है कि वे अपनी पुरतैनी भेड़ पालन का कार्य तो कर रहे हैं, लेकिन युवा पीढ़ी इसे अपनाने में रुचि नहीं दिखा रही। वे रोजगार के लिए शहरों में जाकर पढ़ाई और नौकरी करना अधिक पसंद कर रहे हैं। उनका मानना है कि अगर राष्ट्रीय पशुधन योजना के तहत भेड़ पालन को जोड़ा जाए, तो इससे पालकों

को आर्थिक संबल मिलेगा और उनकी रुचि इस व्यवसाय में फिर से बढ़ेगी। पहले भेड़ पालक अपनी भेड़ों को खेतों में चराने और जंगलों में पानी और चारा देने के लिए ले जाते थे, जिससे खेतों की उर्वरता भी बढ़ती थी। लेकिन अब जंगलों की कमी, चरागाहों का सिमटना और सरकारी समर्थन की कमी के कारण यह परंपरा लगभग समाप्त हो गई है। एक अन्य बड़ी समस्या यह भी है कि आजादी के 78 साल बाद भी पलामू में भेड़ पालन से जुड़े उद्योग या फैक्ट्री स्थापित नहीं हो सके हैं। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि सरकार आने वाले समय में भेड़ पालकों के लिए क्या नई योजनाएं लाती है और वे इससे कितना लाभ उठा पाते हैं।

भारत वाणिज्य कंपनी के कैपस परिसर के ट्रांसफार्मर में लगी आग

● शॉर्ट सर्किट से हुआ हादसा, बिजली आपूर्ति बाधित

नवीन मेल संवाददाता
मेदिनीनगर। पंडवा स्थित भारत वाणिज्य कंपनी के कैपस में गुरुवार सुबह 7 बजे ट्रांसफार्मर धू-धू कर जल उठा, जिससे

इलाके में अफरा-तफरी मच गई। शॉर्ट सर्किट के कारण लगी आग ने कुछ ही देर में भयावह रूप ले लिया, और ट्रांसफार्मर पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया। सूचना मिलने पर बिजली विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने बताया कि आग की लपटें तेज उठ रही

थीं और काले धुएं के गुब्बार निकल रहे थे। इस घटना से इलाके की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है। विभाग ने नया ट्रांसफार्मर लगाने की प्रक्रिया तेज कर दी है ताकि जल्द से जल्द बिजली आपूर्ति बहाल की जा सके। घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

मौसम ने ली करवट, पलामू में हुई हल्की बारिश तापमान में गिरावट, किसानों की बढ़ी चिंता

नवीन मेल संवाददाता
मेदिनीनगर। पलामू जिले में गुरुवार को रुक-रुक कर हल्की बारिश होती रही, जिससे मौसम ने अचानक करवट ले ली। सुबह से ही गरज के साथ हल्की बारिश शुरू हो गई, जिससे वातावरण ठंडा हो गया और लोगों को गर्मी से राहत मिली। मार्च के महीने में तेज धूप और बढ़ते तापमान से लोग परेशान थे, लेकिन अचानक हुए मौसम परिवर्तन से नमी बढ़ गई है। हालांकि, खलिहान में रखी रबी फसलों को लेकर किसानों की चिंता बढ़ गई है। मौसम विभाग ने पहले ही मध्यम दर्जे की बारिश और वज्रपात की संभावना जताई थी। इसकी देखते



हुए ग्रामीण इलाकों के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। बुधवार को जिले का अधिकतम तापमान 36.2 डिग्री सेल्सियस था, जो गुरुवार को घटकर 31.7 डिग्री

सेल्सियस रह गया, जबकि न्यूनतम तापमान 15.9 डिग्री से बढ़कर 21.2 डिग्री सेल्सियस हो गया। शाम तक 2.6 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई।

गर्मी बढ़ते ही चापाकल मरम्मत की मांग तेज

◀ नगर निगम कर रहा त्वरित कार्रवाई, तीन टीमें काम में जुटीं

नवीन मेल संवाददाता
मेदिनीनगर। बढ़ती गर्मी के साथ चापाकलों के खराब होने की शिकायतें बढ़ गई हैं। नगर निगम को लगातार इनकी मरम्मत के लिए अनुरोध मिल रहे हैं, और पेयजल संकट से निपटने के लिए त्वरित कार्रवाई की जा रही है। नगर निगम क्षेत्र में करीब 1400 चापाकल हैं, जिनमें से कई मरम्मत के अभाव में खराब पड़े थे। निगम का कहना है कि कुछ इलाकों में चापाकल की उपयोगिता कम होने से उनकी स्थिति पर ध्यान नहीं दिया जाता, लेकिन शिकायत मिलते ही सुधार कार्य किया जाता है। द्राई जोन बनने वाले इलाकों में अप्रैल से जून के बीच पानी की किल्लत बढ़ जाती है। कई क्षेत्रों में अब तक पाइपलाइन का विस्तार



नहीं हो सका, जिससे टैंकर ही पानी आपूर्ति का एकमात्र साधन रह जाता है। नगर निगम के पाइपलाइन निरीक्षक छोटेलाल गुप्ता ने बताया कि निगम चापाकल मरम्मत के लिए आवश्यक सामान की खरीद प्रक्रिया पूरी कर चुका है, और अगले सप्ताह तक मरम्मत कार्य

तेज किया जाएगा। इस समय तीन टीमें लगातार चापाकल सुधार में लगी हैं। नगरिक 9430325739 पर व्हाट्सएप/कॉलिंग के जरिए शिकायत दर्ज करा सकते हैं और लोकेशन, मोबाइल नंबर तथा वार्ड की जानकारी देकर सीधे संपर्क कर सकते हैं।

ईद को लेकर बाजार के भीड़ पर प्रशासन से नियंत्रण करने की मांग
बालूमाथ। प्रखंड मुख्यालय में ईद त्योहार को लेकर बाजार में भीड़ देखने को मिल रही है। लोग खरीदारी के लिए दुकानों पर भारी भीड़ उमड़ रही है, जिससे बाजार क्षेत्र में यातायात का दबाव बढ़ गया है। इसे ध्यान में रखते हुए समाज सेवा सह ग्रामपुंम नेता जुनैद अनवर ने प्रशासन से शाम 7 बजे से रात 10:30 बजे तक भारी मालवाहक वाहनों के बालूमाथ टमटम टोला से प्रखंड कार्यालय, परिचालन पर रोक (नो-एंट्री) लगाने की मांग की है।

सड़क दुर्घटना में दो घायल, रिस्स रेफर लातेहार। सदर थाना क्षेत्र पटरिया चोटांग में गुरुवार की शाम टेंपो व बाइक में हुई टक्कर में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में सिंटू बैठा (पिता अनवर बैठा, निवासी मनकरी जांगर), अर्जुन परिया शामिल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सिंटू बैठा अपने बाइक पर अर्जुन परिया को स्टेशन से लिफ्ट लेकर कहीं जा रहे थे। इस दौरान पटरिया चोटांग के पास तेज गति से आ रहे एक टेंपो से भिड़ंत हो गई। इस दुर्घटना में दोनों के दाहिने पैर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को एंबुलेंस के मदद से सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद रिस्स रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही लातेहार थाना पुलिस मौके पहुंची। पुलिस अधिकारी समाकर्ता गुप्ता, संतोष कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

गौशाला की नयी कमेटी का चुनाव 27 को

चतरा। गौशाला चतरा की बैठक गुरुवार को गौशाला अध्यक्ष विद्या सागर आर्य की अध्यक्षता में चुनावी प्रक्रिया को लेकर की गयी। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि नयी कमेटी का चुनाव 27 मार्च को हरलाल तालाब स्थित गौशाला में 11 बजे से होगी। 25 मार्च तक नये सदस्य बनाये जायेंगे। चुनावी प्रक्रिया में वही लोग भाग ले सकेंगे जो साधारण या आजिवन सदस्य होंगे। आजीवन सदस्य ही अध्यक्ष, सचिव, एवं कोषाध्यक्ष होंगे। बैठक में गोबिंद सिंह, जितेन्द्र कुमार पाठक, गंगाधर शास्त्री, सुशील कुमार सिंह, नितेश कुमार, पंकज प्रजापति, मदन कुमार साहा, कुमार वियेक, सतिष कुमार मिश्र, प्रदिप कुमार रावत, पंकज कुमार दुबे, मोहित कुमार, चन्द्रपाल पाठक, बिनोद कुमार श्रीवास्तव, दिपक कुमार, चंदन कुमार, आलोक रंजन सिंह, सुचित कुमार, प्रशांत कुमार, राजेश सोनी, कुमार हेमंत, ओमप्रकाश पाठक, श्रीराम शास्त्री, संजीव कुमार आदि सदस्यों ने भाग लिया।

एकल अभियान का 10 दिवसीय नवीन आचार्य प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ सिमरिया (चतरा)। प्रखंड के बानासाडी पंचायत भवन में गुरुवार को एकल विद्यालय फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा एकल अभियान के तहत 10 दिवसीय नवीन आचार्य अभ्यास वर्ग प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन अतिथियों ने भारत माता एवं मां सरस्वती की चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। प्रशिक्षक भरत सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बानासाडी पंचायत की मुखिया पार्वती देवी, सिमरिया संघ के अध्यक्ष उषेंद्र सिंह, चतरा जिला विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष लखन सिंह, पूर्व उपप्रमुख ललिता देवी, अंचल अभियान प्रमुख प्रेम राम, अंचल शारीरिक प्रमुख मोहित महतो टंडवा के संघ प्रमुख प्रमोद यादव, गिद्धौर संघ प्रशिक्षक किरण देवी सहित कार्यक्रम में विभिन्न एकल विद्यालय के आचार्य मौजूद थे। एकल विद्यालय प्रशिक्षण में कई जानकारी दी गयी। इस प्रशिक्षण में एकल विद्यालय के 10 कार्यकर्ता एवं 65 नवीन आचार्य शामिल है।

उग्रवाद प्रभावित जेहरा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

पथलगाड़ा (चतरा)। प्रखंड क्षेत्र के अति उग्रवाद प्रभावित मेराल पंचायत अंतर्गत जेहरा में समग्र ग्रामीण विकास कार्यक्रम के तहत एचडीएफसी बैंक व सर्पोट संस्था के तकनीकी सहयोग से एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें निःशुल्क जेनरिक मेडिसिन, फास्ट कीट, ब्लड प्रेशर एवं शुगर जांच के अलावे सेनेटरी पैड, ओआरएस इत्यादि का ग्रामीणों के बीच जेहरा स्वास्थ्य केंद्र के एएनएम ममता देवी,सहिया गीता देवी ने जांच कर मरीनों को दवा दी। सर्पोट संस्था के प्रवेश ठाकुर ने बताया कि परियोजना के तहत स्वास्थ्य शिविर के जरिए गांव के महिलाओं-पुरुष, बच्चों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा मंहेया कराया जाता है। उन्होंने गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य देख भाल की जानकारी ग्रामीणों को देते हुए पोषण वाटिका के महत्व, स्वच्छता, पेयजल, समेत विभिन्न बीमारियों व उनके रोकथाम पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि परियोजना का एकमात्र परिवर्तन महिलाओं को आत्म निर्भर आजीविका संवर्धन करना उद्देश्य है। मौके पर सर्पोट संस्थान के अमन राज, उमेश प्रसाद, मंगलू गंडू, वीरेंद्र कुमार, ललिता देवी आदि ग्रामीण शिविर में उपस्थित थे।

तेज आंधी-तूफान और ओलावृष्टि से तबाही, कई घरों की छतें उड़ीं, फसलें बर्बाद



नवीन मेल संवाददाता भरनो (गुमला)। भरनो प्रखंड क्षेत्र में गुरुवार की दोपहर बाद अचानक खड़ी फसलें बर्बाद हो गईं। सबसे मौसम ने विकराल रूप धारण कर लिया। करीब 4:00 बजे आए तेज आंधी-तूफान, ओलावृष्टि और झमाझम बारिश ने तबाही मचा दी।

प्रखंड के कई गांवों में दर्जनों घरों की छतें उड़ गईं, वहीं किसानों की खड़ी फसलें बर्बाद हो गईं। सबसे अधिक नुकसान जुरा, डूडीया और परवल गांव में हुआ है।

तेज हवाओं और ओलावृष्टि की वजह से कई जगह पेड़ धराशायी



हो गए। डूडीया पंचायत भवन की चारदीवारी पर आम का पेड़ गिरने से भवन को नुकसान पहुंचा है। वहीं डूडीया बाजार टांड के पास सड़क पर पेड़ गिर जाने से कुछ समय के लिए आवागमन भी बाधित रहा। परवल गांव में ग्रामीण दशरथ

साहू के गाय शेड का एल्बेस्टस उड़कर क्षतिग्रस्त हो गया। इसी गांव की तीजन देवी और धांसू महतो के घर की छत में लगे एल्बेस्टस भी आंधी में टूटकर बिखर गए। किशोर साहू के घर के पास शिव मंदिर परिसर में एक विशाल आम का पेड़ जड़ से



उखड़ गया, जबकि एक पीपल के पेड़ की डाल भी टूटकर गिर गई।

डूडीया गांव में कई बिजली के पोल धराशायी हो गए हैं, जिससे बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई है। बिजली के तारों में भी नुकसान की खबर है। कई जगहों पर किसानों

की खेतों में लगी फसलें भी नष्ट हो गईं। प्रभावित ग्रामीणों ने अंचल प्रशासन से आपदा प्रबंधन मद से उचित मुआवजे की मांग की है। उनका कहना है कि प्राकृतिक आपदा से हुए इस नुकसान की भरपाई के लिए शीघ्र राहत दी जाए।

खाद्य कारोबारियों के लिए फोर्टिफिकेशन ट्रेनिंग 26 को

अध्यक्ष राजेश सिंह ने की सहभागिता की अपील

नवीन मेल संवाददाता गुमला। गुमला चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष राजेश सिंह ने जिले के सभी खाद्य कारोबारियों से अपील की है कि वे 26 मार्च 2025 (मंगलवार) को आयोजित होने वाले फोर्टिफिकेशन रिलेटेड ट्रेनिंग प्रोग्राम में अनिवार्य रूप से भाग लें। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम गुमला सदर अस्पताल के सभागार में सुबह 11:30 बजे से मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी गुमला के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। राजेश सिंह ने कहा कि इस प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य खाद्य कारोबारकर्ताओं को खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के तहत आवश्यक नियमों, मानकों एवं फूड फोर्टिफिकेशन से संबंधित आधुनिक तकनीकों के बारे में जानकारी देना है। उन्होंने कहा, यह प्रशिक्षण सभी खाद्य सुरक्षा हितधारकों और कारोबारियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। फूड फोर्टिफिकेशन वर्तमान समय की जरूरत है, जिससे

आम लोगों को पोषणयुक्त और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जा सके। इसलिए जिले के सभी खाद्य कारोबारी अपनी जिम्मेदारी समझते हुए समय पर पहुंचकर इस प्रशिक्षण का लाभ लें। उन्होंने आगे कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम से कारोबारियों को अपने व्यवसाय में गुणवत्ता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी, साथ ही खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अनुरूप कार्य करने की दिशा में जागरूकता भी बढ़ेगी। उन्होंने सभी कारोबारी संगठनों और व्यक्तिगत कारोबारियों से प्रशिक्षण में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आग्रह किया। अध्यक्ष राजेश सिंह ने कहा कि गुमला चेंबर ऑफ कॉमर्स सदैव कारोबारी हितों की रक्षा और उन्हें उन्नत तकनीकों से जोड़ने का प्रयास करता रहा है। हमारा उद्देश्य है कि गुमला जिले के खाद्य व्यवसाय को सुरक्षित, सुदृढ़ और गुणवत्ता युक्त बनाया जाए, जिससे उपभोक्ताओं का विश्वास बना रहे।

जिला स्तरीय साथिया सम्मेलन सह स्वास्थ्य आरोग्य दूत सम्मान समारोह का आयोजन



नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला जिला में किशोर स्वास्थ्य को लेकर एक साराहनीय पहल देखने को मिली। नगर भवन, गुमला में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जिला स्तरीय साथिया सम्मेलन सह स्वास्थ्य आरोग्य दूत सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग तथा सेंटर फॉर कैटालाइजिंग चेंज के तकनीकी सहयोग से किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन गुमला उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. नवल कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, डीपीसी और शिक्षा विभाग के सहायक

कार्यक्रम पदाधिकारी समेत कई अधिकारी एवं गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। आम सभा की मुख्य उद्देश्य था-समाज में किशोर-किशोरियों के सर्वांगीण विकास में योगदान देने वाले साथिया और स्वास्थ्य आरोग्य दूतों को सम्मानित करना। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा, किशोर स्वास्थ्य और जागरूकता के क्षेत्र में आप सभी की भूमिका बेहद अहम है। आपके प्रयासों से ही समाज में सकारात्मक बदलाव संभव है। इसी ऊर्जा के साथ आगे बढ़ते रहें।

सिविल सर्जन डॉ. नवल कुमार ने मानसिक स्वास्थ्य को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा, एक मानसिक रूप से स्वस्थ किशोर ही जीवन में सही फैसले ले सकता है और समाज

के विकास में योगदान दे सकता है। सम्मेलन के दौरान 55 साथिया और 120 स्वास्थ्य आरोग्य दूतों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने के बाद कई प्रतिभागियों ने मंच से अपने अनुभव साझा किए और विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत अपनी जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का सफल संचालन जिला कार्यक्रम प्रबंधक जया रेशमा खाखा ने किया। समारोह में जिले भर से आए 400 से अधिक साथिया, किशोर-किशोरी, स्वास्थ्यकर्मी और स्वास्थ्य आरोग्य दूत उपस्थित रहे। इस भव्य आयोजन ने किशोर स्वास्थ्य के क्षेत्र में गुमला जिले की सक्रिय भूमिका को और मजबूत किया है।

आकाशीय बिजली गिरने से 12 वर्षीय छात्रा की मौत

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। चैनपुर थाना क्षेत्र के जयपुर निवासी लक्ष्मी करकेट्टा (12 वर्ष), जो कि संतान उच्च विद्यालय की कक्षा 7 की छात्रा थी, स्कूल से घर लौटते समय आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। यह घटना जमगाईं मोड़ के पास हुई, जहां लक्ष्मी अपने रास्ते में थी।घटना के समय, कई लोग चैनपुर साप्ताहिक बाजार जा रहे थे, जिन्होंने तुरंत लक्ष्मी के परिजनों को सूचित किया और 108 एंबुलेंस को बुलाया। एंबुलेंस घटनास्थल पर पहुंचकर लक्ष्मी को चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई, जहां डॉक्टर धर्मानाथ ठाकुर ने उसे मृत घोषित कर दिया।इस घटना की जानकारी मिलते ही चैनपुर थाना प्रभारी कुंदन चौधरी, एसआई दिनेश कुमार, और एसआई नंदकिशोर कुमार अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। स्थानीय राहगीरों ने उन्हें घटना के बारे में बताया। डॉक्टर धर्मानाथ ठाकुर ने बताया कि लक्ष्मी को अस्पताल में 4:35 बजे लाया गया,



जहां उसकी आकस्मिक मौत की पुष्टि की गई। डॉक्टर ने सभी निवासियों को सलाह दी कि बारिश और बादलों की गरज के दौरान सुरक्षित स्थानों पर जाएं और पेड़ों के नीचे या खुले स्थानों पर न रहें, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके। इस दुखद घटना पर कांग्रेस कमेटी के प्रखंड अध्यक्ष निरंजन बड़ा ने कहा कि वे सरकार से आपदा राहत कोष से लक्ष्मी के परिजनों को मुवजा दिलाने की कोशिश करेंगे और हर संभव मदद प्रदान करेंगे। यह घटना लक्ष्मी के परिवार और समुदाय के लिए एक बड़ा आघात है, और सभी को इस प्रकार की प्राकृतिक आपदाओं के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता है।

पालकोट के जंगलों में आगजनी पर सख्त नजर वन विभाग कर रहा त्वरित कार्रवाई, ग्रामीणों से सतर्कता और सहयोग की अपील की

नवीन मेल संवाददाता

पालकोट (गुमला)। पालकोट प्रखंड क्षेत्र के वन्य प्राणी आश्रयणी क्षेत्र में इन दिनों जंगलों में आग लगने की घटनाएं सामने आ रही हैं। वन विभाग को जैसे ही आगजनी की सूचना मिल रही है, टीम मौके पर पहुंचकर आग पर नियंत्रण पा रही है। अब तक बाधिया पंचायत के टुकु टोल, कॉलिंग पंचायत के कुछ गांव, उमरा पंचायत, सियाज और कोब्जा समेत कई इलाकों में आग लगने की घटनाएं दर्ज हुई हैं। इन मामलों में कई लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है, जबकि कुछ अज्ञात लोगों पर भी केस दर्ज किया गया है।

वनपाल कृष्णा महतो ने जानकारी देते हुए कहा कि जंगलों में आग लगाना न केवल पेड़-पौधों, बल्कि वन्य जीवों के जीवन के लिए भी घातक है। महुआ चुनने या किसी



आगजनी की घटनाएं चिंता का विषय : वनपाल
वनपाल कृष्णा महतो ने कहा कि जंगल में लगी आग से छोटे जीव-जंतुओं से लेकर विशाल वृक्ष तक नष्ट हो जाते हैं। यह भविष्य के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि अगर ग्रामीण सजग रहें और वन विभाग से सहयोग करें, तो ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है। जंगल हमारे जीवन का आधार हैं, इनकी रक्षा हम सभी की जिम्मेदारी है।



अन्य उद्देश्य से जंगल में आग लगाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। विभाग लगातार ग्रामीणों को जागरूक कर रहा है कि वे

ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि जंगलों को बचाने के लिए हर व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि लोग विशेष अवसरों जैसे जन्मदिन, सालगिरह या अपने प्रियजनों की स्मृति में वृक्षारोपण करें। फलदार और छायादार वृक्ष लगाने से न केवल पर्यावरण का संरक्षण होगा, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों को भी इसका लाभ मिलेगा।

वन विभाग की चेतावनी और आग्रह: वन विभाग ने चेतावनी दी है कि अगर कोई व्यक्ति जंगल में आग लगाते हुए पाया गया या उसकी जानकारी मिली, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों से अनुरोध है कि किसी भी तरह की सदिध गतिविधि की सूचना तुरंत विभाग को दें ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

न्यूज बॉक्स

रामनवमी की तैयारी जोरों पर, 2 अप्रैल को निकलेगा मंगलवारी जुलूस



भरनो (गुमला)। भरनो में रामनवमी की तैयारी को लेकर युवा महावीर मंडल की बैठक मंगलवार रात भरनो बस्ती स्थित सामुदायिक भवन में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता अभिषेक गुप्ता (बिट्टू) ने की। इसमें रामनवमी पर्व को हर्षोल्लास और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाने का निर्णय लिया गया। साथ ही आगामी 2 अप्रैल, दिन बुधवार को भव्य मंगलवारी जुलूस निकालने पर सर्वसम्मति बनी। बैठक में बताया गया कि सरहुल और ईंद पर्व को देखते हुए सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से मंगलवारी जुलूस बुधवार को निकाला जाएगा। यह जुलूस हरिजन मोहल्ला से प्रारंभ होकर बाजार टांड, ब्लॉक चौक और स्कूल चौक होते हुए प्लस टू हाई स्कूल परिसर स्थित रावण मैदान में समाप्त होगा। मंगलवारी जुलूस में बतौर मुख्य अतिथि हिंदू हृदय सम्राट भैरव सिंह की उपस्थिति को लेकर भी सहमति बनी। युवा महावीर मंडल के सदस्यों ने जुलूस को भव्य और अनुशासित बनाने की रूपरेखा पर चर्चा की। इस बैठक में बजरंग दल अध्यक्ष सुदमा केशरी, आशीष केशरी, गुलशन केशरी, अजीत केशरी, रोशन केशरी, राजा केशरी, अमन ठाकुर, विवेक केशरी, सोनू केशरी, विकास केशरी, प्रकाश राम सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

दक्षिणी कोयल नदी में नहाने के कर्म में डूबने से गंदूर उरांव की मौके पर हुई मौत घाघरा। घाघरा थाना क्षेत्र के खम्भिया कोयल नदी में नहाने के क्रम में डूबने से खम्भिया निवासी गंदूर उरांव 40 वर्ष की मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि गंदूर पूर्व से ही मिर्गा बीमारी से ग्रसित था। संभावना व्यक्त किया जा रहा है कि नहाने के समय उसे मिर्गा का दौरा आ गया हो और उसकी डूबने से मौत हो गयी। क्योंकि जिस स्थल पर उनकी मौत हो गयी वहां पानी की गहराई कम था। वह प्रतिदिन नदी नहाने जाया करता था। जब काफी देर तक गंदूर घर नहीं लौटा तो परिजन देखने नदी गए तो जसका शव पानी में तैरते देखा गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गयी पुलिस घटनास्थल पहुंच शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल गुमला भेज दिया।

डुमरी में पेड़ से लटकता मिला नाबालिग लड़की का शव, पुलिस जांच में जुटी

गुमला। गुमला जिले के डुमरी थाना क्षेत्र अंतर्गत बोब्दी पानी, मंझगाव से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। गुरुवार, 20 मार्च 2025 को 15 वर्षीय बुधनी कुमारी का शव गांव के पास जंगल में एक पेड़ की डाली से लटका मिला। मृतका सनतन कोरवा की पुत्री थी और बोब्दी पानी, मंझगांव की निवासी थी। घटना की सूचना मिलते ही डुमरी थाना प्रभारी अनुज कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। प्रारंभिक जांच में यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि थाना प्रभारी अनुज कुमार ने कहा कि मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और अग्रतर कार्रवाई जारी है। स्थानीय ग्रामीणों में इस घटना को लेकर आक्रोश और दहशत का माहौल है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही सच्चाई सामने लाई जाएगी।

डुमरी थाना क्षेत्र के डांड टॉली में कुएं में डूबने से वृद्ध महिला की मौत

गुमला। गुमला जिले के डुमरी थाना अंतर्गत डांड टॉली गांव में गुरुवार, 20 मार्च 2025 को एक दुखद हादसे में 60 वर्षीय मुनि देवी की कुएं में डूबने से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुनि देवी, पति गोपाल भगत, निवासी डांड टॉली, मंझगांव, किसी कार्य से कुएं के पास गई थीं। इसी दौरान उनका पैर फिसल गया और वे कुएं में गिर पड़ीं। ग्रामीणों ने उन्हें बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही डुमरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई शुरू कर दी है। गांव में घटना के बाद से शोक का माहौल है।

सदर अस्पताल की सुविधाओं में सुधार को लेकर जिला प्रशासन की नई पहल

गुमला। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग गुमला सदर अस्पताल की सेवाओं में गुणात्मक सुधार की दिशा में एक अहम कदम उठा रहे हैं। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल की मौजूदा सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए जिले के नागरिकों से सुझाव आमंत्रित किए हैं। इसके लिए एक विशेष गुमल फॉर्म जारी किया गया है, जिसमें आमजन अपने अनुभव और विचार साझा कर सकते हैं। उपायुक्त ने अपील की है कि जिलेवासी इस पहल में सक्रिय भागीदारी करें और अस्पताल में देखी गई किसी भी असुविधा या सेवा से जुड़े सुधार के लिए अपने सुझाव दें। उन्होंने कहा कि नागरिकों की भागीदारी से स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार संभव होगा। स्वास्थ्य विभाग सभी सुझावों का गहन मूल्यांकन करेगा। बेहतरीन सुझाव देने वाले 10 नागरिकों को 29 मार्च को आयोजित एक विशेष समारोह में सम्मानित किया जाएगा। जिला प्रशासन का मानना ​​है कि स्थानीय लोगों की प्रतिक्रिया से अस्पताल की सेवाएं अधिक प्रभावी और जरूरतमंदों के लिए सुलभ बन सकेगी। उपायुक्त ने कहा कि यह पहल जन सहभागिता को बढ़ावा देने के साथ ही अस्पताल व्यवस्था को पारदर्शी और जिम्मेदार बनाने की दिशा में मील का पथर साबित होगी।

श्रमिकों को चिकित्सा व मातृत्व लाभ दिलाने को लेकर गुमला में समीक्षा बैठक संपन्न



गुमला। झारखंड सरकार के श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग द्वारा संचालित झारखंड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड एवं झारखंड असंगठित कर्मकार सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत श्रमिकों के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक सिविल सर्जन डॉ. नवल कुमार की अध्यक्षता में हुई। बैठक में चिकित्सा सहायता योजना, चिकित्सा प्रतिपूर्ति योजना तथा मातृत्व प्रसुविधा योजना सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति और लाभाधिक्यों तक उनके प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान श्रम अधीक्षक, गुमला ने बताया कि निर्माण क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों को बीमारी के दौरान पांच या उससे अधिक दिन अस्पताल में भर्ती रहने की स्थिति में न्यूनतम मजदूरी का भुगतान श्रम विभाग द्वारा किया जाएगा। यह लाभ अधिकतम 40 कार्यदिनस तक मिलेगा, जिसे डीबीटी माध्यम से सीधे श्रमिकों के खाते में स्थानांतरित किया जाएगा। इसके अलावा गंभीर बीमारी से पीड़ित श्रमिकों को इलाज के लिए विशेष आर्थिक सहायता देने का भी प्रावधान है। वहीं, मातृत्व प्रसुविधा योजना के तहत श्रमिक परिवार की पहली दो संतान जन्म पर महिला श्रमिक को 15 हजार रुपये की सहायता राशि दी जाती है। दुष्टटना या मृत्यु की स्थिति में चार लाख रुपये तक का मुआवजा देने का प्रावधान भी इस योजना में मौजूद है। बैठक में सिविल सर्जन डॉ. नवल कुमार, श्रम अधीक्षक, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी, अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी सह उपअधीक्षक, डीपीएम सहित जिले के चिकित्सा पदाधिकारी व स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार और श्रमिकों तक लाभ पहुंचाने पर जोर दिया।

संपादकीय

भारत के कदम चांद पर

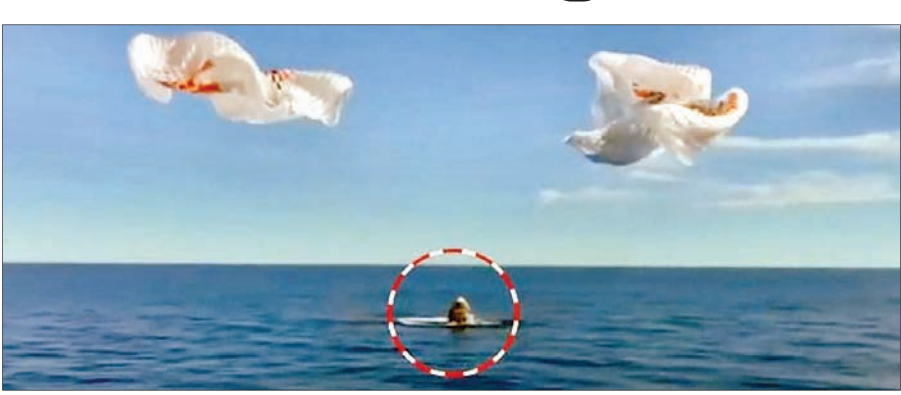
इसरो अब चांद के लिए अपने नए मिशन की तैयारी में जुटा है। केंद्र सरकार ने इसी कड़ी में रविवार को भारत के चंद्रयान-5 मिशन को मंजूरी दे दी है। चंद्रयान-4 के बाद चंद्रयान-5 मिशन को 2028-29 तक लॉन्च किया जा सकता है। हालांकि, इसकी तारीख का एलान आने वाले चरणों के पूरा होने के बाद किया जाएगा। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर चंद्रयान-5 मिशन क्या है? इसे लेकर इसरो ने अब तक क्या तैयारी कर ली है? भारत इस मिशन से क्या हासिल करना चाहता है? चंद्रयान-5 की खासियत क्या होगी और यह चांद पर भेजे गए चंद्रयान-3 मिशन से कितना अलग होगा? चंद्रयान-3 मिशन को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बंगलूरु से लॉन्च किया था। इसके विक्रम लैंडर ने 23 अगस्त 2023 को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सुरक्षित और सफल सॉफ्ट लैंडिंग की। चांद की सतह पर सुरक्षित लैंड करने वाला पहला देश बन गया। सॉफ्ट लैंडिंग के बाद प्रज्ञान रोवर की सफल तैनाती की गई। इस लैंडिंग स्थल को तीन दिन बाद 26 अगस्त को 'शिव शक्ति प्लॉयट' नाम दिया गया था। चंद्रयान-3 मिशन चंद्रयान-2 का ही

अगला चरण था, जिसे चंद्रमा की सतह पर उतरकर परीक्षण करने के लिए तैयार किया गया था। इसमें एक लैंडर और एक रोवर शामिल किए गए। विक्रम लैंडर में एक विशेष उपकरण लगाया गया था, जिसका उद्देश्य चंद्रमा की सतह की तापीय चालकता का अध्ययन करना था। इसके साथ ही उपकरण ने चंद्रमा की सतह पर और नीचे अलग-अलग जगहों पर तापमान में अंतर को भी मापा। उपकरण ने चांद के दक्षिणी ध्रुव के बारे में इसरो को एक अहम जानकारी दी। खासकर यहां के तापमान और अगर अंतरिक्ष यात्री वहां जाते हैं तो किस प्रकार का माहौल मिलेगा और वे क्या-क्या सामग्री उपयोग में ला सकता हैं। इतना ही नहीं पेलोड ने दो महीने तक चंद्रमा की परिक्रमा करने वाले प्लेटफॉर्म से पृथ्वी का निरीक्षण किया। इसमें ऑक्सीजन, जल वाष्प और कार्बन-डाई-ऑक्साइड की मौजूदगी दिखाई देती है, जो एक ऐसे ग्रह का संकेत देती है जो जीवन के लिए रहने योग्य है। इतना ही नहीं चंद्रयान-3 मिशन में चांद पर कई तत्वों की मौजूदगी का भी पता लगा। चंद्रयान-5 भारत की अंतरिक्ष एजेंसी- इसरो और जापान की अंतरिक्ष एजेंसी- जापान एक्सप्रेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी का साझा कार्यक्रम होगा। इसे लुनर पोलेर एक्सप्लोरेशन यानी लूपोक्स मिशन नाम दिया गया है।

सुनीता विलियंस के धरती पर लैंड करते ही उनके घर का पता बदल चुका था!

भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान में सवार होकर पृथ्वी पर वापस आ गई है। यह उनकी घर वापसी है जबकि भारतीय समयानुसार बुधवार तड़के 3.27 बजे फ्लोरिडा के समुद्री तट पर उन्होंने सुरक्षित तौर पर लैंड कर लिया। इस समाचार के सामने आते ही पूरे विश्व में खुशी और संतोष की एक धारा बह निकली है। जिस सुनीता विलियम्स के लिए पूरे विश्व में लगातार कई महिनों से चिंता और दुआ की गई उनका घर टेक्सास के ह्यूस्टन में है। उनके कोई बच्चे नहीं हैं। उनको पालतू जानवरों से बेहद प्यार है। इस घर में कुछ पालतू जानवरों के अतिरिक्त सुनीता के पति भी रहते हैं। जाहिर सी बात है कि ये सभी बेसब्री से उनके सुरक्षित वापसी के इंतजार में थे और परिजनों के साथ साथ पूरा विश्व पलक बिठाकर बैठा नजर आया। इस इंतजार के अपने अलग ही मायने हैं क्योंकि महज नौ दिनों की छोटी सी अंतरिक्ष यात्रा पर निकली यह महिला के विगत कई महीनों से यायावर संयम के प्रदर्शन का ब्रांड एंबेसडर बनकर असाधारण परिस्थितियों से जूझने का एक नायाब कीर्तिमान अपने नाम कर गई।

बताते चलें कि हम मृत्यु को परलोक की यात्रा माननेवाले लोग हैं और बेकाग भाव से इसे “उपर जाने” के तौर पर देखते हैं। सुनीता विलियम्स भी उपर ही तो गई थी जहाँ न पृथ्वी के नियम थे, न उसके विधान थे, न तत्संबंधी आसक्तियां या कायदे कानून प्रभावी थे और न पति, परिजन या पालतू जानवरों का कोई साहचर्य था। इतना ही नहीं, इस यात्रा में उनके पास न कोई मनोरंजन थे, न भौतिक संसाधनों का साथ था और न सूर्यास्त के साथ घर की चारदीवारी का कोई औचित्य रह गया था। इसे किसी दार्शनिक दृष्टिकोण से देखें, एक दावा तो किया ही जा सकता है कि सृष्टि में किसी भी जीव की अजनबी आत्मा के लिए घर की कोई अवधारणा होती ही नहीं है? शायद यही दर्शन सुनीता की नियती बन चुकी थी और इसी नियती के बूते आज की सुनीता इसकी मिसाल बनकर धरती पर वापस आ गई हैं। सुनीता विलियम्स इसके पहले भी अंतरिक्ष का दो दो बार दौरा कर चुकी है। इसके बावजूद कल तक यही महिला अपने पति और कुछेक पालतू जानवरों के साथ इईंट केंक्रीट वाले धरती के एक परिसर को घर मानकर उसे सजाती संवारती रही। आज ऐसा कुछ भी नहीं है क्योंकि इस बार अंतरिक्ष स्टेशन पर वह अनैच्छिक निवास की सहयात्री बनने को मजबूर नजर आईं। इस मजबूरी की मजबूती देखिए कि न पति का साथ था, न पालतू जानवरों का कोई स्नेह था और वापसी की कोई



निश्चित संभावना ही थी। अंतरिक्ष के यह उनकी पहली यात्रा नहीं थी परन्तु पिछली बार जब 5 जून 2024 को इस अनैच्छिक आवास में धरती के धूप, हवा, पानी, गुरुत्वाकर्षण और तमाम मानवीय संवेदनाओं को ताक पर रख कर उन्होंने यहाँ प्रवेश किया तब तो वह केवल नौ दिनों के लिए यहाँ की मेहमान बनने जा रही थी। विधि का विधान देखिए, यह प्रवाह दो सौ अठ्ठसरी दिनों तक चलता रहा और जब वह वापस आई तो

उनके लिए न पति के पहचान शेष रह गए थे, न पालतू जानवरों के प्रति उनके स्नेह की कोई चर्चा सतह पर थी और न ह्यूस्टन स्थित ईंट केंक्रीट के ढांचे में कोई आकर्षण रह गया था। ऐसा इसलिए कि अंतरिक्ष स्टेशन से जब इस घर के लिए वे चलीं तो उनका पता बदल चुका था और घर की पहचान बदल कर अब “स्ट्रैंडेंड एस्ट्रोनॉट” की संज्ञा में शामिल हो चला था। लैंड करते ही धरती के विधान से मुक्त अंतरिक्ष के अस्थायी आवास से उन्हें अब मुक्ति मिल चुकी थी परन्तु धरती की कक्षा में प्रवेश करते ही इस नई पहचान के साथ अब ह्यूस्टन भी उनके लिए एक तरह से अनुभूत और अस्थायी बन चुका था! इसे ठीक से समझने के लिए उस मनोदशा की समझ की ओर जाना पड़ेगा जब महज नौ दिनों में घर वापसी की आस लिए बाहर निकले किसी शख्स को अपने गांव, कस्बे, आबोहवा, रिश्तेदारी, लोकलाज, खान पान और लौटने की अनिश्चित उत्सुकता आदि से बहुत दूर अंतरिक्ष में लहराते किसी कैपसूल में लगभग नौ महिनों तक कैद कर लिया गया हो। सुनीता विलियम्स के साथ कुछ ऐसा ही हुआ है। अंतरिक्ष स्टेशन से उनके द्वारा समय समय पर बहुत सारे वीडियो जारी किये गए हैं और सभी वीडियो सार्वजनिक पटल पर भी हैं। कीतूहल



से भरी इस महिला के द्वारा भेजे गए इस भेंट से हमें जीरो ग्रेविटी में ब्रश करनेवाले तरकीब, पानी के बोटल से बाहर निकलते बुलबुलों की गति, अंतरिक्ष में व्यायाम, सोने की प्रक्रिया, खाने पीने की हसरत और भीमकाय नीली गेंद के रूप में पृथ्वी का दर्शन आदि के अनगिनत अनिश्चितताओं का नजारा दिखता रहा और इन्हें देख समझकर हम निरंतर आश्चर्यचकित भी होते रहे। गहरी अनासक्ति, विवेक, वैराग्य आदि के बिना अंतरिक्ष गमन की ऐसी कोई परिकल्पना शायद संभव नहीं हो सकते परंतु सुनीता का कमाल देखिए कि इन संदेशों को जारी करते वक्त उनके मन में अपने घर के लिए किसी तरह के कसक की कोई बात कहीं भी नजर नहीं आई। ऐसा तब जबकि यदि कोई सामान्य सा ज्ञानी होता तो उसे नीली गेंद की शक्त में दिखाई पड़नेवाले पूरे पृथ्वी को अपने घर की तरह देखने की इच्छा निरंतर उत्पन्न होती रहती। ऐसा कुछ भी नहीं हुआ और यदि ऐसा कुछ हुआ होता तो नौ महिनों के अंदर अंतरिक्ष में नौ सौ घंटों के गहन अध्ययन और बासठ घंटों की स्पेस वाक का रिकॉर्ड बना चुकी सुनीता आज क्या अंतरिक्ष का परित्याग कर वापस नहीं आ पाती।

वस्तुतः वापसी का यह घटनाक्रम इतना सहज सरल नहीं है क्योंकि अंतरिक्ष की यह यात्रा हमारी चेतना, स्मृति और कल्पना से लगاتार परे बना रहा। ऐसा इसलिए भी कि यह सबकुछ न मृत्युकुंभ के पार्थिव बोध से मुक्त एक महिला के अंतर्गाथा की कोई काल कथा है, न “उपर जाने” की परिक्रमा मार्ग से संबंधित कोई सरल गाथा ही है। संदर्भ देखिए, आज सुनीता ने जब धरती पर पैर रखा तो घर का पता ही बदल चुका था। इस बदलाव की मानें तो इनसे जुड़े “विलियम” के दर्शन और विलक्षण विलियम के “दृढ़रक्षक स्वरूप” की अनुभूति अब उनका नया ठिकाना बनकर सामने आया हुआ है। बहरहाल, सुनीता विलियम्स के कदम आज जब धरती पर हैं तो उनके घर का पता ठिकाना बदल चुका है और उनकी चारदीवारी में अब अंतरिक्ष के दुरुह व दुर्लभ निवास की स्मृतियां भी शामिल हो चुकी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

से भरी इस महिला के द्वारा भेजे गए इस भेंट से हमें जीरो ग्रेविटी में ब्रश करनेवाले तरकीब, पानी के बोटल से बाहर निकलते बुलबुलों की गति, अंतरिक्ष में व्यायाम, सोने की प्रक्रिया, खाने पीने की हसरत और भीमकाय नीली गेंद के रूप में पृथ्वी का दर्शन आदि के अनगिनत अनिश्चितताओं का नजारा दिखता रहा और इन्हें देख समझकर हम निरंतर आश्चर्यचकित भी होते रहे। गहरी अनासक्ति, विवेक, वैराग्य आदि के बिना अंतरिक्ष गमन की ऐसी कोई परिकल्पना शायद संभव नहीं हो सकते परंतु सुनीता का कमाल देखिए कि इन संदेशों को जारी करते वक्त उनके मन में अपने घर के लिए किसी तरह के कसक की कोई बात कहीं भी नजर नहीं आई। ऐसा तब जबकि यदि कोई सामान्य सा ज्ञानी होता तो उसे नीली गेंद की शक्त में दिखाई पड़नेवाले पूरे पृथ्वी को अपने घर की तरह देखने की इच्छा निरंतर उत्पन्न होती रहती। ऐसा कुछ भी नहीं हुआ और यदि ऐसा कुछ हुआ होता तो नौ महिनों के अंदर अंतरिक्ष में नौ सौ घंटों के गहन अध्ययन और बासठ घंटों की स्पेस वाक का रिकॉर्ड बना चुकी सुनीता आज क्या अंतरिक्ष का परित्याग कर वापस नहीं आ पाती।

वस्तुतः वापसी का यह घटनाक्रम इतना सहज सरल नहीं है क्योंकि अंतरिक्ष की यह यात्रा हमारी चेतना, स्मृति और कल्पना से लगतार परे बना रहा। ऐसा इसलिए भी कि यह सबकुछ न मृत्युकुंभ के पार्थिव बोध से मुक्त एक महिला के अंतर्गाथा की कोई काल कथा है, न “उपर जाने” की परिक्रमा मार्ग से संबंधित कोई सरल गाथा ही है। संदर्भ देखिए, आज सुनीता ने जब धरती पर पैर रखा तो घर का पता ही बदल चुका था। इस बदलाव की मानें तो इनसे जुड़े “विलियम” के दर्शन और विलक्षण विलियम के “दृढ़रक्षक स्वरूप” की अनुभूति अब उनका नया ठिकाना बनकर सामने आया हुआ है। बहरहाल, सुनीता विलियम्स के कदम आज जब धरती पर हैं तो उनके घर का पता ठिकाना बदल चुका है और उनकी चारदीवारी में अब अंतरिक्ष के दुरुह व दुर्लभ निवास की स्मृतियां भी शामिल हो चुकी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

सरकारी फाइल व घोंघा रेश सरकारी दफ्तर में एक फाइल थी। बड़ी शरीफ, बड़ी भोली-भाली। उसे क्या पता था कि उसके हिस्से में एक लंबी यात्रा लिखी थी। जब वह पहली बार टेबल पर आई, तो बाबूजी ने उसे ऐसे देखा जैसे कोई जवान लड़की समुगल में पहली बार देखी जाती है-पूरी जाँच-पड़ताल, संदेह से भरी नज़रें और कुछ मोठे वचन, “अभी देख लेते हैं, थोड़ा धैर्य रखो!” धैर्य? फाइल अगर ईसान होती तो इस शब्द का पेटेंट करा लेती। यह सरकारी दफ्तर था, जहाँ घड़ी की सुइयों भी सुस्त हो जाती हैं और समय भी पहले चाय, फिर पान और अंत में किसी अफसर की मुड़ पर निर्भर होता है। बाबूजी ने फाइल को उठाकर एक किनारे रख दिया। वह वहीं से सरकारी दुनिया का स्वाद लेने लगी। बगल की फाइल ने कान में फुसफुसाया, “नवागंतुक हो? चिंता मत करो, तुम्हें घूमने को मिलेगा। यहाँ फाइलें सैर-सपाटे पर निकलती हैं, कभी टेबल से

अलग बात हैं, कभी अफसर के कमरे से बाबू के दर्राज में। कभी-कभी तो ‘अंदर की बात’ समझाने के लिए कुछ हथियाली (रुपये-पैसे) भी चाहिए।” फाइल का रंग उड़ गया। सरकारी दफ्तर की भाषा बड़ी कठिन थी-“अभी प्रक्रिया चल रही है”, “जल्द ही विचार किया जाएगा”, “संबंधित अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक है”, और सबसे प्रसिद्ध शब्द-“अभी अनुमोदन बाकी है!” अफसर के कमरे तक पहुँचना फाइलों के लिए वैसा ही था जैसे किसी गाँव के लड़के का आईआईटी क्लैक करना। बाबूजी ने आखिरकार फाइल को उठाया, एक गहरी साँस ली, और अफसर के पास भेजने की सोची। लेकिन तभी उनका फोन बजा-दूसरी तरफ उनकी पत्नी थीं, “आज सब्जी लेते आना।” बाबूजी ने फाइल को फिर से टेबल पर पटक दिया और उठकर चल दिए। फाइल बेचारी फिर से उसी कोने में चली गई, जहाँ से उसने सफर शुरू किया था। यह सरकारी प्रेम था-अनदेखा, अनुसुना और अंतहीन! फाइल हफ्तों तक टेबलों की धूल फाँकती रही। हर बार एक नया बहाना मिलता-“अभी व्यस्त हैं”, “थोड़ा इंतजार करो”, “साहब दौरे पर हैं”। अफसर की मेज पर आने का दिन आया तो साहब ने पहली नजर में ही पहचान लिया कि ये फाइल खुद नहीं आई, बल्कि इसे कोई पीछे से धक्का देकर भेजा गया है। “अच्छा! बहुत जल्दी है?” अफसर मुस्कुराए। उनकी मुस्कान वही थी जो डॉक्टर ऑपरेशन से पहले देता है। फिर एक सिग्नेचर मारने में जितना समय नहीं लगता, उससे ज्यादा समय ये फाइल पर सोचने में लगा देती। “खोइ इसे, देख लेंगे!” यह ‘देख लेंगे’ शब्द सरकारी कसम होता है-जिसे कहने वाला भी जानता है कि वह झूठ बोल रहा है और सुनने वाला भी जानता है कि उसे उल्लू बनाया जा रहा है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

वन-संस्कृति को अक्षुण्ण रखना सबसे बड़ी चुनौती

भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता में वनों का सर्वाधिक महत्व रहा है, वन आँखीजन, भोजन, ईंधन, दवाइयों, सुगंध, कागज, और कपड़े और कई तरह की चीजें देते हैं। वन जहाँ वैश्विक तापमान को बनाए रखने में मदद करते हैं वहीं वर्षा को नियंत्रित करते हैं। वन भूमि कटाव और बाढ़ पर नियंत्रण रखते हैं तो प्रदूषण को नियंत्रित करते हैं। वन जहाँ सुखे को नियंत्रित करते हैं वहीं वे कई तरह के जीवों के लिए प्राकृतिक आवास एवं वैज्ञानिक प्रयोगों के लिए जीन कोष का काम करते हैं। हमारी संस्कृति में जो सुन्दरतम और श्रेष्ठतम है, उसका उद्भव इन्हीं वनों में हुआ है। वन जीवन-ऊर्जा के स्रोत एवं गति के माध्यम है। हमारे संस्कारों पर नन्दनवन के सौंदर्य और माता सीता के कारण अशोक वन के करुणापूर्ण वातावरण की छाप लगी हुई है और वृन्दावन में भगवान श्रीकृष्ण एवं राधा के प्रेम आच्छादित है। हालांकि, आधुनिक युग में लोभ, लालच एवं संवेदनहीनता से वनों की कटाई तेजी से बढ़ गई है, इससे प्रदूषण, मिट्टी का कटाव और जलवायु परिवर्तन जैसी कई जटिल एवं विनाशकारी समस्याएँ पैदा हो रही हैं। वनों की कटाई से वनों पर निर्भर लोगों एवं वन्य जीवों का जीवन खतरे में है, इनके स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ रहा है। वृक्षों की नीली छटा के लिए जो प्रेम था, जो शक्ति थी, जो जीवन था, वह कम न हो इसी उद्देश्य से विश्व वानिकी दिवस हर साल 21 मार्च को मनाया जाता है। 2012 में, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वानिकी के महत्व पर ध्यान केंद्रित करने और जागरूकता फैलाने के लिए इस दिन की स्थापना की। वनों के महत्व और पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने में उनकी भूमिका के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए यह दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2025 की थीम है ‘वन और खाद्य पदार्थ’, जो खाद्य प्रणालियों में वनों की महत्वपूर्ण भूमिका पर ध्यान आकर्षित करता है। इसका उद्देश्य खाद्य सुरक्षा, पोषण और आजीविका में वनों की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करना है।



भोजन प्रदान करने के अलावा, वन स्वस्थ मिट्टी को बनाए रखते हुए और जल स्रोतों की रक्षा करते हुए ईंधन, आय और रोजगार भी प्रदान करते हैं। इस वर्ष की थीम विश्व की बड़ी शक्तियों एवं नीति निर्माताओं से जलवायु परिवर्तन के केंद्र में वनों को ध्यान में रखते हुए नीतियाँ बनाने का आग्रह करती है। विश्व वानिकी दिवस का संदेश वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लाभ के लिए वनों की सुरक्षा और देखरेख का आह्वान करता है, वनों के संरक्षण के लिये कदम उठाने और सकारात्मक प्रभाव पैदा करने का सुझाव देती है। यह आशा और आशावाद की भावना व्यक्त करता है, लाभकारी परिवर्तन की क्षमता को रेखांकित करता है। इसमें वन संरक्षण के पारिस्थितिक, सामाजिक और आर्थिक पहलू शामिल हैं। जलवायु परिवर्तन से निपटने में वन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, वे व्यापक कार्बन सिंक के रूप में कार्य करते हैं जो प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया के माध्यम से वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं। यह तंत्र वैश्विक तापमान को नियंत्रित करने और ग्रीनहाउस गैसों एवं ओजोन को नुकसान के स्तर को कम करने में सहायता करता है। इसके विपरीत, वनों की कटाई से संग्रहित कार्बन वापस वायुमंडल में चला जाता है, जिससे ग्लोबल वार्मिंग और भी बदतर हो जाती है। इसलिए, जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए वनों की रक्षा और उन्हें बहाल करना बहुत जरूरी है। वन पौधों और जानवरों की आश्चर्यजनक विविधता का घर हैं, जो पृथ्वी की स्थलीय जैव विविधता का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं। वे सूक्ष्म कवक से लेकर बड़े स्तनधारियों तक कई जीवों के लिए आवश्यक आवास प्रदान करते हैं। वनों के लुप्त होने से आवास विखंडन और प्रजातियाँ विलुप्त हो रही हैं, पारिस्थितिकी संतुलन बिगड़ रहा है और पारिस्थितिकी तंत्र की लचीलापन कम हो रहा है। वन केवल लकड़ी के स्रोत नहीं हैं, वे भोजन और पोषण के महत्वपूर्ण स्रोत भी हैं। वन मानव अस्तित्व और पर्यावरण संतुलन के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

फेसबुक वॉल से



एक्स से



आज का दोहा

घुआं ठोस हो ले रहा, आकृतियों का रूप।
देश पितामह भीष्म सा, खड़ा सेकता धूप।।
सोमदत्त शर्मा, गार्जियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

विश्व कठपुतली दिवस 2025 : एक जादुई विरासत का आधुनिक रूप

सपनों को धागों में पिरोकर मंच पर जीवंत करने वाली कठपुतली कला का उत्सव-विश्व कठपुतली दिवस-हर साल 21 मार्च को अपने जादुई स्पर्श से हमारे दिलों को मोह लेता है। यह दिन केवल एक तारीख नहीं, बल्कि उस अममोल कला का सम्मान है, जो सदियों से मानवता की कहानियों को रंगों, भावनाओं और आवाजों के माध्यम से संवारी आई है। 2003 में यूनिवन इंटरनेशनल डे ला मैरियोनेट (यूनिमा) द्वारा शुरू किया गया यह आभोजन कठपुतली कलाकारों की असाधारण सृजनशीलता, उनके असीम जुनून और उस चमत्कार को श्रद्धांजलि देता है, जो उनको उंगलियों के नाजुक संकेतों से जीवंत हो उठता है। लेकिन 2025 में यह दिन एक अनूठी आभा के साथ चमकेगा। इस बार की थीम “रोबोट, एआई और कठपुतली का सपना” हमें उस रोमांचक संसार की सैर कराएगी, जहाँ परंपरा के धागे तकनीक की चमक से जुड़कर कला के अनेक द्वेष क्षितिज रच रहे हैं। यह अनोखा संगम न केवल कठपुतली कला को नई ऊर्जा से भर देगा, बल्कि इसे भविष्य के मंच पर एक दमकते सितारे की भाँति स्थापित करेगा। एक साधारण लकड़ी का टुकड़ा या कपड़े का डेर कैसे बोलने लगता है, धिक्कने लगता है और कहानियों को जीवंत कर देता है? कठपुतली कला वह जादुई करिष्मा है जो निर्जीव में प्राण फूँक देती है। प्राचीन मिश्र के मकबরों से लेकर भारत के गाँवों की मिट्टी तक, यह कला हर सभ्यता की आत्मा में रची-बसी रही है। भारत में यह कला एक जीवंत धरोहर है, जो हर कोने में अपनी अनूठी छटा बिखेरती है। राजस्थान की कठपुतलियाँ अपने चटकीले रंगों और नृत्य-नाट्य के जादू से लोककथाओं को साकार करती हैं। कर्नाटक का “गोंबे अट्टा” संगीत और परंपरा के मधुर संगम से मंत्रमुग्ध करता है, तो ओडिशा की “साखी कुंडेई” अपनी बारीक कारीगरी से मन मोह लेती है। हर शैली एक अनकही कहानी बुनती है, हर कठपुतली एक संस्कृति को अंचल में संजोती है। यह कला कभी महज मनोरंजन का माध्यम नहीं रही-गाँव की चौपालों पर यह कठपुतलियाँ सामाजिक संदेशों की दूत बनकर उभरीं, चाहे वह स्वच्छता का सबक हो या शिक्षा की प्रेरणा। मगर समय के साथ, आधुनिक मनोरंजन की चकाचौंध में यह कला धीरे-धीरे ओझल होती दिखी। अब, तकनीक के साथ इसका नया संनाद इसे फिर से मंच के मध्य में ला रहा है-पहले से कहीं अधिक भव्य, प्रेरक और जीवंत रूप में। “रोबोट, एआई और कठपुतली का सपना”-यह थीम मन में

एक अद्भुत दृश्य जगा देती है: एक कठपुतली, जो धागों की कैद से आजाद होकर तकनीक के बल पर सजीव हो उठे; जो न सिर्फ नृत्य करे, बल्कि दर्शकों से संवाद करे, उनके सवालों को सुनकर जवाब दे। 2025 का विश्व कठपुतली दिवस हमें इस रोमांचक भविष्य की सैर कराता है। रोबोटिक्स, डिजिटल एनीमेशन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने कठपुतली कला को नई उड़ान दी है। सेंसर से सुसज्जित कठपुतलियाँ हर हाव-भाव को बारीकी से जीवंत करती हैं, एआई से प्रेरित पात्र दर्शकों के साथ जीवंत संवाद करते हैं, और वर्चुअल मंच इस प्राचीन कला को विश्व के हर कोने में गुँजने का अवसर देते हैं-यह सब अब महज ख्वाब नहीं, बल्कि एक ठोस सच है। सोचिए: एक कठपुतली मंच पर खड़ी होकर पूछे, “आज आप मेरे मुँह से कौन सी कहानी सुनना चाहते हैं?” और फिर दर्शकों की रूचि के अनुसार अपनी प्रस्तुति को रंग दे। यह एआई का जादू है। रोबोटिक कठपुतलियाँ अब फिल्मों में अपनी चमक बिखेर रही हैं, वीडियो गेम्स में प्राण फूँक रही हैं और वर्चुअल थिएटर में दर्शकों को सम्मोहित कर रही हैं। यह थीम हमें एक गहरे सवाल की ओर ले जाती है: क्या होगा जब कठपुतली अपनी कहानी खुद बुनने लगे? यह सिर्फ तकनीकी उन्नति नहीं, बल्कि कला के एक नए सुनहरे युग का आरंभ है। तकनीक परंपरा को मिटाने नहीं, बल्कि उसे और अधिक दमकदार बनाने आई है। राजस्थान का एक कठपुतली कलाकार अब अपनी सदियों पुरानी कला को डिजिटल मंचों पर सजा सकता है, जहाँ एआई और एनिमेशन उसकी कहानियों को अनूठा रंग-रूप दे सकते हैं। वर्चुअल रियलिटी के जादू से दर्शक कठपुतली नाटक को किसी सपनों की दुनिया में जीने का सोभाय पाते हैं। व्‍यूट्यूब और टिकटॉक जैसे प्लेटफॉर्म पर कठपुतली प्रस्तुतियाँ धूम मचा रही हैं, नई पीढ़ी के दिलों को इस कला से जोड़ रही हैं। यह परंपरा और आधुनिकता का ऐसा संगम है, जो कठपुतली कला को वैश्विक क्षितिज पर एक नई पहचान और चमक दे रहा है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

प्रकृति ने किया बाबा बट्टी विशाल का श्रृंगार बर्फ की सफेद चादर से ढका धाम



केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय के रिश्तेदारों के बीच विवाद में चली गोली, एक की मौत



एजेंसी

भागलपुर। बिहार के भागलपुर में पुलिस जिला नवगछिया के परबत्ता थाना क्षेत्र में दो भाइयों के बीच हुए विवाद में गोली चलने से एक भाई की मौत हो गई जबकि दूसरा भाई जखमी बताया जा रहा है। प्रथम दृष्टया विवाद का कारण पानी बताया जा रहा है। यह परिवार केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय के रिश्तेदार बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के दो भांजे, जयजीत यादव और विश्वजीत यादव के बीच गुरुवार को मामूली विवाद के बाद गोलीबारी हो गई। इस घटना में विश्वजीत यादव की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि जयजीत यादव की हालत नाजुक बनी हुई है। बताया जाता है कि घटना नवगछिया के जगतपुर में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के बहनोई रघुनंदन यादव के घर पर हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पानी को लेकर विश्वजीत और जयजीत के बीच बहस शुरू हो गई। बताया जाता है कि दोनों भाइयों के बीच पहले से ही संबंध अच्छे नहीं थे। विवाद बढ़ने पर विश्वजीत ने घर से पिस्तौल लाकर जयजीत पर गोली चला दी। इस बीच, जयजीत ने भी पिस्तौल छीनकर उसे गोली मार दी। इस घटना में विश्वजीत की मौत हो गई जबकि गंभीर रूप से घायल जयजीत को भागलपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नवगछिया की पुलिस अधीक्षक प्रेरणा ने बताया कि सुबह जानकारी मिली कि परबत्ता में गोली चलने की घटना की सूचना मिली थी, जिसके बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची थी। दो भाइयों के बीच ही गोलीबारी हुई थी जिसके बाद दोनों को घायल अवस्था में हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया जहां एक घायल की मृत्यु हो गई। जबकि दूसरा भी घायल है और उसका इलाज चल रहा है।

मंत्री नित्यानंद राय के दो भांजे, जयजीत यादव और विश्वजीत यादव के बीच गुरुवार को मामूली विवाद के बाद गोलीबारी हो गई।

‘नक्सल मुक्त भारत अभियान’

एजेंसी

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के मारे जाने पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि ‘नक्सल मुक्त भारत अभियान’ में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। मोदी सरकार नक्सलियों के विरुद्ध रुथलेस अप्रोच से आगे बढ़ रही है और समर्पण से लेकर समावेशन की तमाम सुविधाओं के बावजूद जो नक्सली आत्मसमर्पण नहीं कर रहे, उनके खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। उन्होंने ये भी कहा कि अगले साल 31 मार्च से पहले देश नक्सल मुक्त हो जाएगा। छत्तीसगढ़ के बीजापुर और कांकेर में सुरक्षाबलों को गुरुवार को बड़ी सफलता मिली। बीजापुर और कांकेर में सुरक्षाबलों ने अलग-अलग मुठभेड़ में कई नक्सलियों को ढेर कर दिया है। हालांकि, इस कार्रवाई के दौरान एक जवान शहीद हो गया। सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया है। इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ‘नक्सल मुक्त

में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी : अमित शाह



हमारे जवान लगातार बहुत मजबूती के साथ लड़ाई लड़ रहे हैं

विष्णु देव साय

भारत अभियान’ की दिशा में आज हमारे जवानों ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। छत्तीसगढ़ के बीजापुर और कांकेर में हमारे सुरक्षा बलों के दो अलग-अलग ऑपरेशन में कई नक्सली मारे गए। मोदी सरकार नक्सलियों के विरुद्ध रुथलेस अप्रोच से आगे बढ़ रही है और समर्पण से लेकर समावेशन की तमाम सुविधाओं के बावजूद जो नक्सली आत्मसमर्पण नहीं कर रहे, उनके खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। अगले साल 31 मार्च से पहले देश नक्सल मुक्त होने वाला है।’

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि आज दो नक्सली

मुठभेड़ में एक जगह कई नक्सलियों की डेड बॉडी मिली है हम अपने सुरक्षाबल के जवानों के साहस को नमन करते हैं। हमारे जवान लगातार बहुत मजबूती के साथ लड़ाई लड़ रहे हैं। हमारे गृह मंत्री का संकल्प है कि मार्च 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद को समाप्त करना है। उसमें अब ज्यादा समय नहीं लगने वाला है। उस पर बहुत तेजी के साथ काम हो रहा है। गृह मंत्री का संकल्प पूरा होगा और हमारे बस्तर को देश-दुनिया में जाना जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि आज डबल इंजन की सरकार से काफी फायदा मिल रहा है। ऐसी सरकार समन्वय के साथ

नक्सलियों का खाम्ता कर रही है। वहीं, कांग्रेस के आरोप पर उन्होंने कहा कि उनके (कांग्रेस) पास कोई मुद्दा नहीं है। चार-चार बार हारने के बाद कांग्रेस के नेता बौखलाहट में कुछ भी कह रहे हैं। छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने न्यूज एजेंसी आईएनएस से बात करते हुए कहा कि हमारे सुरक्षाबलों ने 18 नक्सलियों को मार गिराया है। गुरुवार को डीआरजी और अन्य बलों की नक्सलियों के साथ सुबह सात बजे से ही मुठभेड़ जारी थी। सर्च ऑपरेशन के अंतर्गत 18 नक्सलियों के शव बरामद हुए हैं।

बिहार विस में मोबाइल देखकर प्रश्न पूछने पर राजद के विधायक पर भड़के नीतीश कुमार

एजेंसी

पटना। बिहार विधानसभा के बजट सत्र के दौरान गुरुवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मोबाइल देखकर प्रश्न पूछने पर राजद के एक विधायक पर भड़क गए। उन्होंने यहां तक कह दिया कि सब गड़बड़ है। यह प्रतिबंधित है। उन्होंने यह भी कहा कि 10 साल में दुनिया खत्म हो जाएगी। दरअसल, राजद के विधायक सुदय यादव ने मोबाइल देखकर खाद्य और आपूर्ति विभाग से संबंधित एक प्रश्न पूछा। मंत्री लेसी सिंह ने सवाल का जवाब भी दिया। लेकिन, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को यह नामांजन गुनगुन में मोबाइल ले जाने पर आपत्ति जताई और विपक्ष के विधायक सुदय यादव को खूब सुनाया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खड़े होकर कहा, ‘ये लोग मोबाइल लेकर बात कर



रहे हैं। यह सब प्रतिबंधित था, रोका हुआ था और सब मोबाइल लेकर बोल रहे हैं। ये कोई बात है? यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई मोबाइल लेकर न आए। इस पर प्रतिबंध किया जाए जो पहले से भी किया हुआ है। यह पांच-छह साल से शुरू हुआ है। 10 साल नहीं, उसके पहले ही धरती खत्म हो जाएगी। आप अलग तरीके से बोलिए। यह सब फालतू बात है।’

नीतीश कुमार यही नहीं रुके। उन्होंने आगे कहा, ‘‘पहले तो हम खूब देखते थे लेकिन, जब हमने 2019 में जाना कि गड़बड़ होने वाली है तो हमने तो छोड़ दिया। समझ गए कि नहीं? मोबाइल प्रतिबंधित है। इसको लेकर क्या बोलते हैं?’’ उन्होंने कहा कि सदन में मोबाइल प्रतिबंधित है, आप भूलिए मत। कोई मोबाइल लेकर आएगा, उनको बाहर निकाल दिया जाएगा।

भारत सनातनियों की भूमि यहां औरंगजेब की कब्र का क्या काम: महंत योगी



एजेंसी

संभल। देश में औरंगजेब को लेकर चल रही सियासत पर अब संभल के प्राचीन तीर्थ नीमसार के महंत बाल योगी दीनानाथ ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसे आक्रांताओं के नामोनिशान को उखाड़कर फेंक देना चाहिए। महंत बाल योगी दीनानाथ ने गुरुवार को कहा, मैं मानता हूँ कि औरंगजेब की कब्र को हटाना चाहिए। वह एक आक्रांता रहा है और भारत सनातनियों की भूमि है, यहां कब्र का क्या काम है। महंत बाल योगी दीनानाथ ने संभल के नेजा मेला पर कहा, भारत ‘सर्वे भवन्तु सुखिनः’ सनातनियों की

भूमि है। ऐसे में जो भी आक्रांता विदेश से आए हैं, उन्होंने सिर्फ भारत को लूटा और यहां अत्याचार किया। अगर उनके प्रतीक और समाधियां बची रहें और लोग उनके नाम पर नारे लगाते रहे, तो यह भारत के लिए ठीक नहीं है। इन तत्वों को बहुत बढ़ावा दिया गया है। गान्जी की मृत्यु बहराइच में हुई थी, लेकिन उसके नाम पर भारत में अलग-अलग जगह नेजा का मेला लगाया जाता है।

● **छोटे बच्चों को भाले की नोंक से मारा** उन्होंने आगे कहा, एक आक्रांता जिसने भारत को बार-बार लूटा और वह ऐसा व्यक्ति था, जिसने भारतीयों की हत्याएं की और उनके छोटे-छोटे बच्चों को भाले की नोंक पर रखकर मारा। ऐसे लोगों के नाम पर भारत में मेला लगाया किताना नहीं है। इस तरह का मेला विलुक्त नहीं लगना चाहिए। मैं इतना ही कहूंगा कि ऐसे लोगों को नहीं पूजना चाहिए, उनको जड़ से उखाड़कर फेंक देना चाहिए और उत्तर प्रदेश शासन यही काम कर रहा है, इसलिए हमारी यही मांग रहेगी।

आक्रांता का महिमामंडन करना मतलब देशद्रोह की नींव को पुख्ता करना : योगी



एजेंसी

बहराइच। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को बहराइच की तहसील मिर्हीपुरवा (मोतीपुर) के मुख्य भवन के उद्घाटन कार्यक्रम में विदेशी आक्रांताओं का महिमामंडन करने वालों को देशद्रोही करार दिया। उन्होंने कहा कि आक्रांता का महिमामंडन करना मतलब देशद्रोह की नींव को पुख्ता करना है और स्वतंत्र भारत ऐसे किसी भी देशद्रोही को स्वीकार नहीं कर सकता है। सीएम योगी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ‘‘एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना साकार हो रही है। पूरा देश एकजुट

काय कर रहा है। मैं उत्तर प्रदेश के सभी लोगों से कहना चाहूंगा कि जब भारत की परंपरा और संस्कृति का गुणगान पूरी दुनिया कर रही है, तब भारत के महापुरुषों के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव हर नागरिक का दायित्व होना चाहिए। उन स्थितियों में किसी भी आक्रांता का महिमामंडन नहीं होना चाहिए। आक्रांता का महिमामंडन करना मतलब देशद्रोह की नींव को पुख्ता करना है और स्वतंत्र भारत ऐसे किसी भी देशद्रोही को स्वीकार नहीं कर सकता है।’’ उन्होंने कहा कि जो भारत के महापुरुषों के अपमानित करता हो, उन आक्रांताओं का महिमामंडन करना हो, जिन आक्रांताओं ने भारत की

एक नजर

पुत्र ने पिता और सौतेली मां की पीट-पीटकर कर दी हत्या

मोतिहारी। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के चकिया थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति को दूसरी शादी करने की कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। पिता की दूसरी शादी से नाराज उसके बच्चों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, घटना चकिया थाना क्षेत्र के हताहरपुर की है जहां एक दंपति को बैट और बांस से पीट-पीटाकर हत्या कर दी गई। हत्या का आरोप उसके ही बेटे, बहू और बहन पर लगा है। इन तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मृतक की पहचान भगवान शाह (52) और उनकी पत्नी के रूप में हुई है। बताया गया कि भगवान शाह की पहली पत्नी की दो साल पहले मौत हो गई थी। इसके बाद उसने छह से सात महीने पहले दूसरी शादी की थी, जिससे उसके परिजन नाराज थे। पुलिस के मुताबिक, बुधवार की रात भगवान शाह और उनकी पत्नी की हत्या कर दी गई। भगवान शाह का शव उनके घर के दरवाजे के पास से बरामद किया गया है जबकि उनकी पत्नी का शव घर के पीछे मक्के के खेत से मिला है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने दोनों शवों को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है तथा सभी कोणों से मामले की जांच की जा रही है। अधिकारी ने बताया कि इस मामले में मृतक के पुत्र अभिषेक कुमार, उसकी पत्नी और उसकी बहन को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया हत्या का कारण सौतेली मां से नाराजगी की बात सामने आ रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का सही पता चल सकेगा।

महाराष्ट्र में औरंगजेब की कब्र की सुरक्षा बढ़ाई गई, लोहे की चादर लगाई गई



छत्रपति संभाजीनगर। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर के खुल्दाबाद स्थित औरंगजेब की कब्र के आसपास सुरक्षा और कड़ी कर दी गई है। कब्र को हटाने के विवादों और बयानबाजी के चलते, पुलिस ने इलाके में अपनी मौजूदगी और बढ़ा दी है। कब्र की सुरक्षा को और सख्त बनाने के लिए बुधवार को कब्र के पीछे की दीवार पर लोहे के बड़े-बड़े पट्टे (लोहे की चादर) लगाए गए, ताकि किसी को भी इस स्थान पर बिना अनुमति के प्रवेश करने से रोका जा सके। इससे पहले, निजाम शासनकाल में औरंगजेब की कब्र की सुरक्षा के लिए हजरत ख्वाजा सैयद जैनुद्दीन शिराजी द्वारा संगमरमर की जाली लगवाई गई थी। इसके बाद, कब्र पर सुरक्षा बढ़ाने के लिए हरे रंग की जालीदार प्लास्टिक का जाल भी लगाया गया था। अब, सुरक्षा उपायों के तहत, औरंगजेब की कब्र के आसपास लोहे के चादरों की बाउंड्री खड़ी की गई है, जो इस स्थान की सुरक्षा को और मजबूत बनाती है। यह कदम राज्य में चल रहे विवादों के बीच उठाया गया है, जहां एक वर्ग औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग कर रहा है, जबकि दूसरे वर्ग के लोग इसे एक ऐतिहासिक धरोहर के रूप में देख रहे हैं। इसे लेकर इलाके में पुलिस-प्रशासन की मौजूदगी बढ़ा दी गई है और किसी भी अतिप्र घटना से बचने के लिए सख्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है इससे पहले बोते शनिवार को औरंगजेब की कब्र के आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी। कब्र को तोड़ने को लेकर मिल रही धमकियों के चलते, शनिवार को जिले के पुलिस अधिकारियों ने कब्र का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया था। इस दौरान एसआरपी की एक बैच को तैनात किया गया, जबकि पहले से ही स्थानीय पुलिस की सुरक्षा मौजूद है।

विदेश यात्रा से पहले मेरी छवि धूमिल करने का प्रयास कर रहा विपक्ष : ममता

एजेंसी

पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विदेश यात्रा से पहले बृहस्पतिवार को भाजपा और वाम दलों पर उनकी छवि धूमिल करने के प्रयास किये जाने का आरोप लगाया और कहा कि विदेश यात्रा से पहले किसी नेता पर हमला करने से देश की छवि को नुकसान पहुंचता है। ममता बनर्जी, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में व्याख्यान देने के लिए आगामी दिनों में लंदन की यात्रा करने वाली हैं। बनर्जी ने कहा कि राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं लेकिन किसी भी नेता को किसी अन्य नेता की विदेश यात्रा से पहले उसकी छवि खराब नहीं करनी चाहिए क्योंकि वह ‘वैश्विक देश का प्रतिनिधित्व करेगा। उन्होंने कहा, ‘‘ईर्ष्या के



इलाज के लिए कोई दवा नहीं है। विपक्ष मेरी आगामी लंदन यात्रा को लेकर मेरी छवि खराब करने की कोशिश कर रहा है। लेकिन मेरी विदेश यात्रा से पहले मुझे बदनाम करके वो देश की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं।’’बनर्जी 21 मार्च को लंदन के लिए रवाना होंगी। ऑक्सफोर्ड में उनका व्याख्यान 27 मार्च को होगा। अपनी यात्रा के दौरान, वह राज्य में निवेश के लिए 25 मार्च को उद्योगपतियों से भी मिलेंगी। वह 28-29 मार्च को कोलकाता लौटने वाली हैं। केंद्र ने उनकी यात्रा को पिछले हफ्ते मंजूरी दी थी।

राजद के शासनकाल में सत्ता संरक्षित अपराध होता था : अशोक चौधरी

पटना। बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी ने गुरुवार को कहा कि राजद के शासनकाल में सत्ता संरक्षित अपराध होता था। अब स्थिति बदल गई है। उस दौर में डरकर भागे लोग भी वापस बिहार लौट रहे हैं। हमारे नेता न किसी को फंसाते हैं और न बचते हैं। दरअसल, बिहार विधान परिषद में गुरुवार को बहते अपराध पर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने आ गए। सदन के भीतर अपराध के मुद्दे पर विपक्ष ने सरकार को घेरने की कोशिश की। विपक्षी सदस्य हंगामा करते हुए वेल में पहुंच गए और सरकार के खिलाफ नाराबाजी करने लगे। विरोधी दल की नेता राबड़ी देवी ने कहा कि राज्य में चोरी, डकैती, हत्या और लूट की घटनाएं हर दिन हो रही हैं। राज्य के हर जिले में अपराधी तोंड मचा रहे हैं, लेकिन सरकार के पास लॉ एंड ऑर्डर को संभालने की शक्ति नहीं है। होली के दौरान दो दिन के भीतर 22 लोगों की हत्या कर दी गई। राबड़ी देवी ने कहा कि अशोक चौधरी पहले कांग्रेस को लूटे और अब जदयू में लूट रहे हैं। सदन के बाहर निकले मंत्री अशोक चौधरी ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि संगत अच्छे लोगों का हो तो संस्कार अच्छा होता है।

फिर से मैदान पर लौट
सकेंगे शाकिब अल हसन
मिली 'क्लीन चिट'



ढाका । बांग्लादेश के पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन के गेंदबाजी एक्शन को 'क्लीन चिट' मिल गई है और अब वह मैदान पर लौट सकेंगे। शाकिब अब वनडे और ट्वेंटी 20 प्रारूप से संन्यास ले चुके हैं। शाकिब ने कहा, 'यह खबर सही है (गेंदबाजी टेस्ट में खरा उतरना) और मैं फिर गेंदबाजी कर सकता हूँ।' उन्होंने यह नहीं बताया कि उन्होंने गेंदबाजी एक्शन की तीसरी समीक्षा कहाँ कराई। उन्होंने आखिरी बार भारत के खिलाफ अक्टूबर 2024 में कानपुर में दूसरा टेस्ट खेला था। पिछले साल दिसंबर में इंग्लिश काउंटी सरें के लिए खेलते हुए उनके एक्शन की शिकायत हुई थी और उसे अवैध ठहराया गया था। इसके बाद शाकिब ने जनवरी में चेन्नई में टेस्ट कराया लेकिन उनका एक्शन वैध करार नहीं दिया गया। इसी वजह से आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी से उन्हें बाहर रहना पड़ा।

डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर चेन्नई

मानुष और दीया को
वाइल्डकार्ड, भारत के
रिकॉर्ड 19 पैडलर मैदान में



चेन्नई (आईएनएस) । भारत में पहली बार किसी डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर टूर्नामेंट में 19 टेबल टेनिस खिलाड़ी और 27 प्रविष्टियाँ मुख्य ड्रा में शामिल होंगी। राष्ट्रीय चैंपियन मानुष शाह, दीया चितले और अन्य को डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर चेन्नई 2025 के लिए वाइल्डकार्ड प्राप्त हुए हैं। यह प्रतियोगिता 25 से 31 मार्च 2025 तक चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में होगी। पुरुष डबल्स में अनुभवी अचंता शरत कमल और उनके जोड़ीदार स्नेहित सुरवाचुला को भी वाइल्डकार्ड मिला है। महिला सिंगल्स के सभी चार वाइल्डकार्ड भारत की ही खिलाड़ियों को दिए गए हैं, जिनमें अनुभवी सुतीथां मुखर्जी, कृतिचा सिन्हा राय, स्वस्तिका घोष और राष्ट्रीय चैंपियन दिया चितले शामिल हैं। पुरुष सिंगल्स में स्नेहित भी मनुश के साथ वाइल्डकार्ड पाने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं।

बीसीसीआई ने की चैंपियंस ट्रॉफी जीत के पुरस्कार वितरण की घोषणा

15 खिलाड़ियों और कोच को मिलेंगे तीन-तीन करोड़ रुपए

नई दिल्ली (आईएनएस)

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने आईएनएस से कहा कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने आईएनएस को बताया है कि चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतने वाली टीम इंडिया के लिए घोषित 58 करोड़ रुपये के हारने के बाद, फाइनल में न्यूजीलैंड को मात देकर 9 मार्च को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में अपनी तीसरी चैंपियंस ट्रॉफी जीती।

इस इनाम की राशि उन खिलाड़ियों को भी मिलेगी जो टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं खेले, जैसे अर्शदीप सिंह, ऋषभ पंत और वाशिंगटन सुंदर। सैकिया ने यह भी बताया कि बाकी कोचिंग स्टाफ – बल्लेबाजी कोच सितार्शु कोटक, सहायक कोच अभिषेक नायर और रयान टेन डोशेट, फील्डिंग कोच टी दिलीप, और



फिजियोथेरेपिस्ट कमलेश जैन व योगेश परमार, टीम डॉक्टर आदित्य दफ्तरी, श्रोडाउन विशेषज्ञ राघवेंद्र द्विवेदी, नुवान उडेनेक और दयानंद गरानी, मसाजर चेतन कुमार, राजीव कुमार और अरुण कानाडे, और कंडीशनिंग कोच सोहम देसाई को 50-50 लाख रुपये मिलेंगे। इसके अलावा, बीसीसीआई से जुड़े अन्य अधिकारी जैसे वीडियो एनालिस्ट हरी प्रसाद मोहन, लायजन ऑफिसर और मीडिया मैनेजर को 25-25 लाख रुपये मिलेंगे। बीसीसीआई सचिव ने बताया कि चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर को 30 लाख रुपये मिलेंगे, जबकि अन्य सदस्य – सुब्रतो बनर्जी, अजय राजा, एस शरत और शिव सुंदर दास को 25-25

लाख रुपये दिए जाएंगे। सैकिया ने यह भी बताया कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने विजेता भारतीय टीम को लगभग 19.45 करोड़ रुपये इनाम में दिए, जो केवल खिलाड़ियों में बांटे गए। प्रत्येक खिलाड़ी को 1.43 करोड़ रुपये मिले। सैकिया ने गुरुवार को जारी बीसीसीआई के बयान में कहा, "खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को यह इनाम देना हमारे लिए गर्व की बात है। उनकी मेहनत और

रणनीतिक खेल की बदौलत भारत विश्व क्रिकेट में शीर्ष पर पहुंचा है। यह जीत सफेद गेंद क्रिकेट में भारत की श्रेष्ठता को लभग 19.45 करोड़ रुपये इनाम में दिए, जो केवल खिलाड़ियों में बांटे गए। प्रत्येक खिलाड़ी को 1.43 करोड़ रुपये मिले। सैकिया ने गुरुवार को जारी बीसीसीआई के बयान में कहा, "खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को यह इनाम देना हमारे लिए गर्व की बात है। उनकी मेहनत और



आईपीएल 2025

सनराइजर्स हैदराबाद की जर्सी में दिखे शमी, हुआ शानदार स्वागत

हैदराबाद । हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम के बाहर प्रशंसकों की भीड़ जमा रही क्योंकि सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) ने अपने नए सितारे मोहम्मद शमी को टीम जर्सी में पहली बार पेश किया। आईपीएल 2025 के शुरू होने से कुछ ही दिन पहले ही शमी लाइमलाइट में हैं। नवंबर 2024 में जेद्दा में हुए आईपीएल मेगा ऑक्शन में हैदराबाद ने उन्हें 10 करोड़ रुपए में खरीदा था। गुजरात टाइटंस ने उन्हें रिलीज कर दिया था और कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ एक तगड़ी बिडिंग वॉर के बाद हैदराबाद ने बाजी मारी थी। शमी को ऑरेंज जर्सी में देखने का सपना उस दिन से हर हैदराबादी फैन के दिल में बस गया था। शमी जो 2023 वर्ल्ड कप में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे, एक लंबी चोट के बाद वापसी कर चुके हैं। उन्होंने बंगाल के लिए रणजी ट्रॉफी में अपनी फॉर्म हासिल की और अब आईपीएल में आग उगलने को तैयार हैं।



आईपीएल में खराब प्रदर्शन बर्दाश्त नहीं किया जाता : एडम नई दिल्ली (आईएनएस) ।

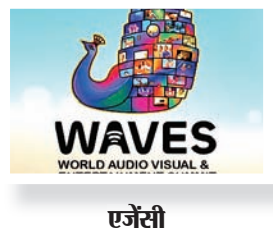
पूर्व ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर एडम गिलक्रिस्ट ने चेतावनी दी है कि अगर फ्रेजर-मैकार्क आईपीएल में जल्दी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए, तो उन्हें दिल्ली कैपिटल्स में बेच पर बैठना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि आईपीएल फ्रेंचाइजी खराब फॉर्म को ज्यादा दिन तक नहीं सहती हैं। पिछले साल फ्रेजर-मैकार्क को दिल्ली कैपिटल्स ने एक चोटिल खिलाड़ी की जगह टीम में शामिल किया था। उन्होंने अपने पहले आईपीएल में भी पारियों में 330 रन बनाए, जिनमें चार अर्धशतक शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट 234.04 था, जो टूर्नामेंट में दूसरा सबसे ज्यादा था। हालांकि, कैपिटल्स ने उन्हें रिटेन नहीं किया, लेकिन 'राइट टू मैच' कार्ड का इस्तेमाल कर नीलामी में 9 करोड़ रुपये में दोबारा खरीद लिया। मगर पिछले एक साल में फ्रेजर-मैकार्क के टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन में गिरावट आई है। पिछली 24 पारियों में उन्होंने सिर्फ 382 रन बनाए हैं, औसत 15.91 और स्ट्राइक रेट 136.91 रहा है। गिलक्रिस्ट ने फॉक्स क्रिकेट से बातचीत में कहा, "दिल्ली ने उन पर भरोसा जताया है, लेकिन उन्हें अच्छे प्रदर्शन से इसकी कीमत चुकानी होगी।



व्यापार/लाइफ व साइंस



वेक्स बाजार मीडिया और मनोरंजन का बेहतरीन व्यावसायिक सहयोग प्लेटफॉर्म



एजेंसी

नई दिल्ली । वेक्स बाजार अग्रणी वैश्विक ई-मार्केटप्लेस है जिसे मीडिया और मनोरंजन उद्योग में व्यावसायिक सहयोग में उल्लेखनीय प्रगति के लिए तैयार किया गया है। यह फिल्म, टेलीविजन/वेब सीरीज, एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स, रेडियो और पॉडकास्ट, संगीत और ध्वनि, लाइव इवेंट्स, इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग और स्टार्टअप सहित कई क्षेत्रों में कंटेंट क्रिएटर-(प्रसारण सामग्री निर्माणकर्ता), वितरक, निवेशक और खरीदारों को साथ जोड़ने वाला हब है।

अमेरिका की 'संवेदनशील' देशों की सूची से अपना नाम हटाने की मांग करेगा सोल : दक्षिण कोरियाई उद्योग मंत्री सोल (आईएनएस) । दक्षिण कोरिया के उद्योग मंत्री ने गुरुवार को कहा कि उनका देश अमेरिकी ऊर्जा विभाग (डीओई) की 'संवेदनशील' देशों की सूची से अपना नाम हटाने के लिए कोशिश करेगा और दोनों देशों के बीच ऊर्जा सहयोग को बढ़ावा देगा। उद्योग मंत्री आह्न डुक-न्यू ने यह बात तब कही जब वह दो दिन की यात्रा पर सिंगलान जा रहे थे। वहां वह अमेरिकी ऊर्जा

सचिव क्रिस राइट और वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक समेत अन्य अमेरिकी अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। योनहाप (डीओई) की 'संवेदनशील' देशों की सूची से अपना नाम हटाने के लिए कोशिश करेगा, जिसमें डीओई की सूची से बाहर होना भी शामिल है, ताकि इस मुद्दे का स्थानीय उद्योगों, दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच तत्कालीन सहयोग पर नकारात्मक असर न पड़े।

मनोरंजन उद्योग के प्रमुख संतर्गों में व्यावसायिक सुगमता

वेक्स बाजार मनोरंजन के कई क्षेत्रों में व्यास है और उद्योग पेशवरों को एक ही स्थान पर समाधान प्रदान करता है:

- फिल्म और टीवी/वेब सीरीज
- वैश्विक वितरकों, ओटीटी प्लेटफॉर्म (ओवर-द-टॉप मीडिया सेवाएं) और फेस्टिवल प्रोग्रामर से गुडवा प्रदान करता है।
- एबीजीसी (एबीजीसी, वीएफएक्स (विजुअल इफेक्ट्स), गेमिंग, कॉमिक्स)
- यह निवेशकों, खरीदारों और प्रकाशन प्लेटफॉर्म के समक्ष सामग्री प्रदर्शित करता है।

रेडियो और पॉडकास्ट

- स्वतंत्र ऑडियो क्रिएटर (श्रव्य प्रसारण सामग्री निर्माणकर्ता) के लिए अपने काम प्रचारित-प्रसारित करने और प्रायोजक ढूंढने का समर्पित प्लेटफॉर्म है।

संगीत और ध्वनि

- संगीतकारों और साउंड डिजाइनरों के लिए लाइसेंसिंग का अवसर और सहयोग प्रदान करता है।

आधिकारिक बयान के अनुसार कर्मचारी भविष्य निधि संगठन में जनवरी से जुड़े 17.89 लाख सदस्य

नई दिल्ली (आईएनएस) । कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने गुरुवार को ऐलान किया कि इस साल जनवरी में संगठन से 17.89 लाख सदस्यों के जुड़े हैं। यह आंकड़ा दिसंबर 2024 के मुकाबले मासिक आधार पर 11.48 प्रतिशत अधिक है। ईपीएफओ के आधिकारिक बयान के अनुसार, पेरोल में जनवरी 2024 के मुकाबले 11.67 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। यह दिखाता

है कि कर्मचारी फायदों को लेकर पहले के मुकाबले जागरूकता बढ़ी है। जनवरी 2025 में ईपीएफओ से करीब 8.23 लाख नए सदस्य शामिल हुए हैं, जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 1.87 प्रतिशत अधिक है। आंकड़ों में गौर करने वाली बात यह है कि 18-25 आयु वर्ग का प्रभुत्व लगातार बना हुआ है। जनवरी 2025 में इस आयु वर्ग के 4.70 लाख नए सदस्य जुड़े हैं।

अमेरिकी फेड के फैसले से शेयर बाजार हरे निशान में बंद, सेंसेक्स 900 अंक उछला



मुंबई (आईएनएस)

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र हरे निशान में बंद हुए। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 899 अंक या 1.19 प्रतिशत बढ़कर 76,348.06 और निफ्टी 283.05 अंक या 1.24 प्रतिशत बढ़कर 23,190.65 पर था। बाजार में तेजी की वजह अमेरिकी फेड के बयान को माना जा रहा है, जिसमें कहा गया कि इस वर्ष अपने वाले समय में ब्याज दरों में कटौती की जा सकती है। ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी के चलते बढ़ी महंगाई काफी सीमित समय के लिए होगी। बाजार में चौतरफा खरीदारी देखी गई। लार्जकैप के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप भी हरे निशान में बंद हुए। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 327.30 अंक या 0.64 प्रतिशत की तेजी के साथ 51,144 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 110.45 अंक या 0.70 प्रतिशत की बहुत तेजी के साथ 15,858.04 पर बंद हुआ। सेक्टरल आधार पर ऑटो, आईटी, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल, रियल्टी, मीडिया, एनर्जी और प्राइवेट बैंक समेत सभी इंडेक्स हरे निशान में बंद हुए हैं। सेंसेक्स पैक में भारती एयरटेल, टाइटन, टीसीएस, एचयूएल, इन्फोसिस, नेस्ले, एमएंडएम, एचडीएफसी बैंक, सैन फार्मा, टाटा मोटर्स, पावर ग्रिड, कोटक महिंद्र बैंक और आईसीआईसीआई बैंक टॉप गेनर्स थे। इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस और अल्ट्राटेक सीमेंट टॉप लूजर्स थे। आशिका इंस्टीट्यूशनल इक्विटी के टेक्निकल और डेरिवेटिव विलेखक, सुंदर केवट ने कहा कि सकारात्मक वैश्विक संकेतों के कारण भारतीय शेयर बाजार सकारात्मक बंद हुआ है।

‘इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास’ भारत के लॉजिस्टिक्स सेक्टर को बनाएगा मजबूत



नई दिल्ली (आईएनएस)

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर के तेजी से विकास के साथ, सरकार का लक्ष्य लॉजिस्टिक्स लागत को 5 प्रतिशत से अधिक घटाकर जीडीपी के 10 प्रतिशत से कम करना है, ताकि

भारत चीन और अमेरिका के साथ बेहतर प्रतिस्पर्धा कर सके। भारत मंडपम में कन्वेंसंस इंडिया और 10वें स्मार्ट सिटीज इंडिया एक्सपो का उद्घाटन करते हुए, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, "भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

‘मेड इन इंडिया’ स्मार्टफोन शिपमेंट में 6% की तेजी एप्पल और सैमसंग सबसे आगे

नई दिल्ली (आईएनएस)

‘मेड इन इंडिया’ स्मार्टफोन शिपमेंट में साल 2024 में छह प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह तेजी टेक दिग्गज एप्पल और सैमसंग के भारत से बढ़ते निर्यात के कारण हुई। गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। काउंटरपॉइंट रिसर्च की ‘मेक इन इंडिया’ सर्विस रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में देश के स्मार्टफोन निर्यात में एप्पल और सैमसंग की संयुक्त हिस्सेदारी 94

प्रतिशत रही। दोनों ब्रांडों ने आयात पर निर्भरता कम करने और ग्लोबल सप्लाई चेन में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के देश के उद्देश्य के साथ तालमेल बिटाने के लिए भारत में अपनी मैनुफैक्चरिंग का काफी विस्तार किया है। सरकार की पीएलएल (उत्पादन आधारित प्रोत्साहन) योजना ने वैश्विक निर्माताओं को देश में अपनी उत्पादन सुविधाएं स्थापित करने या उनका विस्तार करने के लिए प्रोत्साहित किया है।

मियामी ओपन

मोनफिल्स एटीपी

मास्टर्स 1000 में मैच जीतने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने

मियामी (आईएनएस)

गेल मोनफिल्स ने मियामी ओपन में इतिहास रच दिया। वह एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में मैच जीतने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले यह रिकॉर्ड जिमी कॉनर्स के नाम है। एटीपी नंबर 1 क्लब मेंबर कॉनर्स ने 1992 में 39 साल की उम्र में मियामी में मैच जीता था, जो अब तक का सबसे उम्रदराज खिलाड़ी का रिकॉर्ड है। एटीपी की रिपोर्ट के अनुसार, 38 वर्षीय फ्रेंच खिलाड़ी मोनफिल्स ने फ्लोरिडा में खेले गए पहले दौर के मुकाबले में हमारी के फेबियन पोरसिजान को 6-3, 3-6, 6-4 से हराया। यह मैच 1 घंटे 44 मिनट तक चला। मोनफिल्स ने 38 विजयी शॉट लगाए और 18 अनफोर्स्ड एरर करके जीत हासिल की। जीत के साथ मोनफिल्स दूसरे दौर में पहुंच गए, जहां उनका मुकाबला जिरि लेहेचका से भिड़ने के लिए तैयार हो गए। मोनफिल्स ने कहा, "मैंने कुछ अलग तरह के कोणों पर शॉट मारे, तेज दौड़ लगाई और सही समय पर अनुमान लगाया। मैंने उसे हावी नहीं होने दिया और अपने शॉट्स को ज्यादा गहराई तक मारा।

निक किर्गियोस ने 896 दिनों में दर्ज की अपनी पहली जीत



निक किर्गियोस ने मियामी ओपन में अमेरिकी क्वालीफायर मैक्केजी मैकडोनाल्ड को हराकर 2022 के बाद अपना पहला एटीपी टूर मैच जीता। 29 वर्षीय किर्गियोस पिछले 18 महीनों से पर

और कलाई की चोटों से परेशान थे और इस साल की शुरुआत में उन्होंने दोबारा खेलना शुरू किया। कलाई की लगातार तकलीफ के कारण किर्गियोस पिछले दो साल से टेनिस से दूर थे। कुछ हफ्ते पहले इंडियन वेल्स में उन्हें पहले ही दौर में मैच छोड़ना पड़ा था, लेकिन मियामी ओपन में उन्होंने मैकडोनाल्ड को 3-6, 6-3, 6-4 से हराकर शानदार वापसी की। अक्टूबर 2022 में जापान ओपन में दूसरे दौर के मुकाबले के बाद से ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी को जीत नहीं मिली थी और यह अब यह जीत 896 दिनों के बाद आई। कलाई की चोट के चलते किर्गियोस का करियर खतरे में पड़ गया था।

